

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 26 नवंबर 2026 ■ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष-2 ■ वर्ष -42 ■ अंक-236 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 27 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

संविधान ने मुझे प्रधानमंत्री बनाया : मोदी

नई दिल्ली,26 नवंबर। आज देश भर में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अपनाया था। संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेख लिखा है। अपने लेख में पीएम मोदी ने भारतीय संविधान की महत्ता, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा अपनी सरकार के कामकाज का जिक्र किया है। उन्होंने संविधान को देश के नागरिकों के अधिकारों और बेहतर भविष्य की नींव बताया। साथ ही इमरजेंसी पर कांग्रेस को घेरते हुए युवाओं यानी जेन-जी से खास अपील भी की। उन्होंने सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए लिखा- इस पावन अवसर पर पूज्य बाबासाहेब एवं संविधान सभा की समस्त महान विभूतियों को मेरा नमन और वंदन। संविधान के रूप में उनके द्वारा दी गई सौगात भारतीय लोकतंत्र की अनमोल धरोहर है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लेख में लिखा- आज हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद, बाबासाहेब अंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों को याद करते हैं। उन्होंने एक मॉडर्न संविधान बनाते समय भारत की समृद्ध परंपराओं और सभ्यता की समझ से बहुत कुछ लिया. हमारी कोशिश रही है कि हम अपने लोगों, खासकर युवाओं की सामूहिक सोच के साथ इसके जुड़ाव को और गहरा करें और भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए ज़रूरी एकता की भावना को मजबूत करें। इसीलिए कुछ साल पहले, हमारी सरकार ने



26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। पीएम मोदी ने संविधान को सामाजिक और आर्थिक न्याय का आधार बताते हुए कहा कि यह हर नागरिक को समान अवसर देने की ताकत रखता है। यह हमारे संविधान की वजह से है कि अब किसी के जन्म के हालात उसके भविष्य की सीमाएं तय नहीं करते।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा- भारत का संविधान हमारी जिंदगी के सफर का एक अहम हिस्सा है, जिसमें वो भी शामिल हैं। उन्होंने लिखा, 'जब भी मैं अपने बचपन को देखता हूं, उन आसान हालातों को जिनमें मैं बड़ा हुआ, उन मुश्किलों को जो रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा थीं, तो मैं अपने संविधान के लिए बहुत ज़्यादा शुक्रगुज़ार हो जाता हूं। एक बच्चा जो मामूली साधनों वाले परिवार में पैदा हुआ, जिसके पास जन्म के कोई खास अधिकार या फ़ायदे नहीं थे, उसे एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा करने की ज़िम्मेदारी सौंपी जा सकती है। यह बताता है कि हमारा संविधान कितना खास है।

38वें और 39वें अमेंडमेंट को पढ़ने की अपील

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं युवाओं से 38वें और 39वें अमेंडमेंट को पढ़ने की भी रिक्वेस्ट करूंगा ताकि उन्हें पता चले कि पावर का भूखा और एंटी-कॉन्स्टिट्यूशन लीडर क्या कर सकता है। चुनी हुई राज्य सरकारों को हटाने के लिए आर्टिकल 356 का बार-बार गलत इस्तेमाल किया है। एक पार्टी का आर्टिकल 356 को लगभग सौ बार लगाने का खराब रिकॉर्ड है और एक पूर्व प्राइम मिनिस्टर ने इसमें हाफ सेंचुरी बनाई है। हमारे संविधान बनाने वालों को उम्मीद थी कि इसे पूरे भारत में पूरी तरह लागू किया जाएगा। लेकिन, 70 से ज़्यादा सालों तक, आर्टिकल 370 और 35A ने जम्मू और कश्मीर में पूरा संविधान लागू नहीं होने दिया, इस तरह SC, ST, OBC समुदायों और महिलाओं के अधिकारों को कुचला गया।

शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी

मुंबई,26 नवंबर। वक्त की बड़ी खबर महाराष्ट्र से आई है। एनसीपी (SP) चीफ शरद पवार की तबीयत फिर खराब हो गई है। शरद पवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शरद पवार की तबीयत डीहाइड्रेशन की वजह से बिगड़ने की आशंका है। शरद पवार की तबीयत खराब होने की सूचना पर उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले पार्टी की बैठक छोड़कर हॉस्पिटल पहुंच गई हैं। सुप्रिया सुले ने व्हाट्सएप स्टेटस पर लिखा- बाबा को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कर रही हूं। ऐसा लगता है उन्हें डीहाइड्रेशन हुआ है। उन्हें अब थोड़ा आराम करने और कम यात्रा करने की जरूरत है। बाबा सुनते ही नहीं हैं। वो अपने काम से बहुत प्यार करते हैं। आखिर में सुप्रिया ने अपने शुभचिंतकों का आभार भी जताया।

सौरव दास के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

नई दिल्ली,26 नवंबर। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास पासपोर्ट विवाद में बुरी तरह फंस गए हैं। पासपोर्ट विवाद सौरव दास के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हुआ है। CJP नेता के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने की जानकारी केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में दी है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि सौरव दास के पासपोर्ट में कुछ गड़बड़ियां पाई गई हैं। इनका असर उनकी भारतीय नागरिकता पर भी पड़ सकता है। बता दें कि 23 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पर सौरव दास को यूके (ब्रिटेन) जाने से रोक दिया गया था। पासपोर्ट में जन्मस्थान विसंगतिया पाए जाने के दौरान उन्हें रोक दिया गया था। सौरव दास एक दिसंबर को ऑक्सफोर्ड यूनियन में पैनल चर्चा होनी है। इसमें सौरव को शामिल होने के लिए बुलाया गया था। रोके जाने के खिलाफ सौरव दास ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

एयरपोर्ट विकसित नहीं करना है तो एएआई को क्यों नहीं सौंप देते : हाईकोर्ट

बिलासपुर,26 नवंबर। चकरभाठा स्थित बिलासपुर एयरपोर्ट के विकास और हवाई सुविधा विस्तार से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के रुख पर नाराजगी जताई। चीफ जस्टिस रामकृष्ण महापात्र और जस्टिस संतोष शर्मा की खंडपीठ ने सरकार के इस वक्तव्य पर आपत्ति की कि फिलहाल एयरपोर्ट को 4सी श्रेणी में विकसित करने के लिए फंड उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने सवाल किया कि यदि सरकार एयरपोर्ट का विकास नहीं करना चाहती तो इसे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) को क्यों नहीं सौंप देती। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पिछले नौ वर्षों में पारित आदेशों का उल्लेख किया। इनमें 17 फरवरी 2023 से लेकर 2026 तक राज्य



सरकार की ओर से एयरपोर्ट को 4सी श्रेणी में विकसित करने के कई आश्वासन दर्ज हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव ने संबंधित आदेश का हवाला देते हुए सरकार के पुराने कमिटमेंट की जानकारी दी। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण दास ने बताया कि बिलासपुर एयरपोर्ट से यात्रियों की संख्या कम है और उड़ानों के संचालन में सरकार को घाटा हो रहा है। इस पर याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने कहा कि 4सी श्रेणी के विकास में 300 करोड़ रुपये से अधिक खर्च नहीं आएगा। रनवे विस्तार के 63 करोड़ और नए एटीसी टावर के 40 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पांच महीने से मंत्रालय में लंबित हैं। इन प्रस्तावों को मंजूरी मिलने पर 103 करोड़ रुपये से आधे से अधिक जरूरी काम हो सकते हैं। कोर्ट ने सवाल किया कि एयरपोर्ट विकसित किए बिना एयरलाइन कंपनियां बड़े विमानों का संचालन कैसे करेंगी। खंडपीठ ने राज्य सरकार और एएआई को एयरपोर्ट के विकास तथा संचालन की जिम्मेदारी सौंपने के संबंध में अपना रुख स्पष्ट करने के निर्देश दिए।

मोदी ने संसद सत्र की तैयारियां पूरी रखने की अपने मंत्रिमंडल को दी सलाह

नईदिल्ली,26 नवंबर। PM मोदी ने मंत्रियों को 15 दिसंबर तक विदेश यात्रा से बचने और संसद सत्र की तैयारियां पूरी रखने की सलाह दी है. इससे संकेत मिलता है कि सरकार 15 दिसंबर से पहले सत्र बुलाने पर विचार कर रही है. संसदीय कार्य संबंधी कैबिनेट समिति इसकी तारीख और समय तय करेगी. जानकारी के मुताबिक, बुधवार को मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में संसद के अगले सत्र का मुद्दा भी उठा. ऐसा माना जा रहा है कि सरकार आगामी सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर आगे बढ़ सकती है. संसद के अगले सत्र को लेकर केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं. सत्र की तारीख घोषित नहीं होने से विशेष सत्र बुलाए जाने की अटकलें भी लग रही हैं. इसकी प्रमुख वजह लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन से जुड़ा प्रस्ताव है. आगामी सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पेश होने की संभावना है, जिसके लिए सरकार को दो-तिहाई बहुमत जुटाना होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों को 15 दिसंबर से पहले संसद के अगले सत्र की तैयारियां पूरी करने का सुझाव दिया है. उन्होंने मंत्रियों को सत्र से पहले विदेश यात्रा नहीं करने की सलाह भी दी है. सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने 15 दिसंबर से पहले संसद का सत्र बुलाने का संकेत दिया. उन्होंने कहा कि संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति सत्र शुरू होने की तारीख और उसकी अवधि को अंतिम रूप देगी.मोदी ने सत्र की तैयारियों की जरूरत पर जोर देते हुए मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालयों को आगामी सत्र के लिए तैयार रखने को कहा है.

देश के जाने-माने संविधान विशेषज्ञ और पूर्व महाधिवक्ता कनक तिवारी नहीं रहे

दुर्ग,26 नवंबर। देश के जाने-माने गांधीवादी विचारक, संविधान विशेषज्ञ, लेखक और छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता कनक तिवारी का निधन हो गया है. उन्होंने बीती रात अंतिम सांस ली, जिसके बाद उनके पार्थिव देह को भिलाई के बीएम शाह अस्पताल में रखा गया है. विदेश में रहने वाली उनकी बेटी के आने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा. बता दें कि करीबन महीनेभर पहले से कनक तिवारी से जुड़े लोगों को उनके स्वास्थ्य की चिंता होने लगी थी. सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले कनक तिवारी का उनके प्रशंसक बाकायदा हाल-चाल जानने का प्रयास कर रहे थे. देवप्रिय अवस्थी ने 13 नवंबर को लिखा था कि आपका आखिरी पोस्ट देखे कल एक महीना हो गया. कृपया तेजस से कहकर स्वास्थ्य के बारे में अद्यतन जानकारी दें.इसके पहले कनक तिवारी ने 5 सितंबर को अपने फेसबुक पोस्ट में बताया था कि वे पांचवीं बार आईसीयू में भर्ती हुए. अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उन्होंने 19 सितंबर को फेसबुक पोस्ट किया था, जिसमें अपने मोहल्ले पद्मनाभपुर में गणेश उत्सव के अवसर पर सार्वजनिक रूप से अभिनंदन किए जाने का जिक्र किया था.



वक्फ दिवस कार्यक्रम में वंदे मातरम् पर विवाद, मौलानाओं ने मांगी माफी

श्रीनगर में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की मौजूदगी में बजा राष्ट्रीय गीत, धार्मिक संगठनों ने जताई आपत्ति

श्रीनगर, 26 नवंबर। जम्मू-कश्मीर में वक्फ दिवस के कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् बजाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान वंदे मातरम् बजाया गया तो केंद्रीय मंत्री सहित जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सैयद दरख्शां अंद्राबी और अन्य उपस्थित लोग सम्मान में खड़े हो गए। कार्यक्रम में कई मौलाना और इस्लामी विद्वान भी मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद कुछ इमामों और मौलानाओं ने वीडियो जारी कर वंदे मातरम् बजने पर खड़े होने के लिए माफी मांगी। उन्होंने कलमा पढ़ते हुए अल्लाह से क्षमा मांगी। इसके बाद विवाद और गहरा गया। कुछ धार्मिक नेताओं ने कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत बजाए जाने को अनुचित बताते हुए इसे थोपा गया कदम करार दिया। कश्मीर के प्रमुख इस्लामी संगठनों के समूह मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का हवाला देते हुए कहा कि आधिकारिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम् बजाना कानूनी रूप से अनिवार्य नहीं है। संगठन के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने गीत को कार्यक्रम में शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई। एमएमयू का कहना है कि मातृभूमि को ईश्वरीय दर्जा देना इस्लाम के तौहीद के सिद्धांत के अनुरूप नहीं है। वहीं, मौलाना अब्दुल रशीद दाऊदी ने वंदे मातरम् के दौरान खड़े होने का बचाव करते हुए कहा कि अब ऐसा करना कानून के तहत अनिवार्य है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत का गायन जरूरी नहीं था।

संविधान लोकतंत्र की नींव, हर हाल में करेंगे रक्षा: राहुल

नई दिल्ली,26 नवंबर। 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने



देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए संविधान की रक्षा का कड़ा संकल्प दोहराया है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संविधान के मूल आदर्शों की रक्षा को राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए लोकतंत्र और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया.कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संविधान दिवस के अवसर पर कहा कि भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि देश की आत्मा है और हर हाल में इसकी रक्षा की जाएगी. राहुल गांधी ने भारत के संविधान को देश की आत्मा और हर नागरिक की गरिमा का कवच बताते हुए दो टूक कहा कि वे हर हाल में इसकी रक्षा करेंगे और हर भारतीय के अधिकार के लिए लड़ते रहेंगे. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है. राहुल गांधी ने लिखा कि भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, हमारे लोकतंत्र की नींव है और अन्याय के खिलाफ हमारा सबसे बड़ा हथियार. संविधान दिवस पर संकल्प दोहराता हूं – हम हर हाल में इसकी रक्षा करेंगे. वजहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के शब्दों 'राजनीतिक लोकतंत्र तब तक टिक नहीं सकता, जब तक उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो' को दोहराया. खरगे ने संविधान दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का उल्लेख किया.

रायपुर में दीपक टंडन और बरखा टंडन की मुश्किलें बढ़ीं

रायपुर ,26 नवंबर। ठगी और धोखाधड़ी के मामलों में गिरफ्तार दीपक टंडन और बरखा टंडन की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को दोनों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस की ओर से रिमांड बढ़ाने के लिए आवेदन नहीं दिए जाने पर अदालत ने दोनों आरोपियों को 28 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस बीच पुलिस ने जांच के दौरान आरोपियों के कब्जे से दो वाहन- बलेनो कार और XUV 700 भी जब्त किए हैं। जानकारी के मुताबिक, तेलीबांधा थाना क्षेत्र में दर्ज ठगी और धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस ने दीपक टंडन और बरखा टंडन को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान दोनों से लगातार पूछताछ की गई। जांच में सामने आए तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने दो गाड़ियां जब्त की हैं। रिमांड खत्म होने के बाद बुधवार को दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने रिमांड अवधि बढ़ाने की मांग नहीं की, जिसके बाद अदालत ने उन्हें 28 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

उच्च शिक्षा में नए अवसरों का विस्तार, युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ने पर जोर

रायपुर,26 नवंबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा की उपस्थिति में आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, रोजगारपरक पाठ्यक्रम, तकनीकी नवाचार और अधोसंरचना विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों की समीक्षा की गई।

बैठक में प्रमुख पहलें एवं निर्णय : 30 महाविद्यालय आधुनिक सुविधाओं के साथ उत्कृष्टता केंद्र के रूप में होंगे विकसित। 50 करोड़ का प्रावधान छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन के लिए।1.40 लाख विद्यार्थियों को 60 घंटे की अनिवार्य इंटर्नशिप से जोड़ने की तैयारी। 10 हजार विद्यार्थी 148 जनजातीय महाविद्यालयों में कम्युनिकेटिव इंग्लिश का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। गूगल के सहयोग से उच्च शिक्षा में AI प्रशिक्षण और तकनीक आधारित



अध्ययन को बढ़ावा। 1,295 पदों पर भर्ती की पहल तथा 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नति। एकीकृत प्रवेश पोर्टल और ई-ज्ञानार्जन ऐप से विद्यार्थियों को मिलेंगी डिजिटल सुविधाएं।

पूर्व IAS अनिल टूटेजा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका

बिलासपुर,26 नवंबर। जिला खनिज न्यास DMF की राशि से कराए गए कार्यों में कमीशनखोरी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टूटेजा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास के सिंगल बेंच ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। आरोपों की गंभीरता और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका को देखते हुए कोर्ट ने गिरफ्तारी से पहले राहत देने से इनकार कर दिया। पूर्व आईएएस अफसर अनिल टूटेजा ने ईडी द्वारा दर्ज ईसीआईआर में गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। उनके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम PMLA की धारा 3 और 4 के तहत जांच चल रही है। यह पूरा मामला डीएमएफ फंड जारी करने में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच एजेंसी के मुताबिक, सरकारी बीज निगम के माध्यम से डीएमएफ के कामों के लिए ठेके और आपूर्ति आदेश दिलाने में बिचौलियों की भूमिका थी, जिसके बदले 20 से 50 प्रतिशत तक कमीशन लिए जाने और उसका एक हिस्सा सरकारी अधिकारियों व प्रभावशाली लोगों तक पहुंचाने का आरोप है। ईडी का आरोप है कि टूटेजा ने अपने प्रशासनिक प्रभाव का इस्तेमाल कर चुनिंदा फर्मों को डीएमएफ के काम दिलवाए। जांच में मां गंगा एंटरप्राइजेज और यश एंटरप्राइजेज को वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 के दौरान डीएमएफ व अन्य सरकारी मदों से कुल 47.17 करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान का जिक्र किया गया है।

13 लाख के दो इनामी माओवादियों ने किया सरेंडर

बीजापुर,26 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। ओडिशा स्टेट कमेटी में सक्रिय दो माओवादियों ने बीजापुर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। दोनों पर कुल 13 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों की पहचान नागमणि कुडमे उर्फ शीला (32) और गंगा सोढ़ी उर्फ सोनू (26) के रूप में हुई है। नागमणि पर 8 लाख रुपये और गंगा सोढ़ी पर 5 लाख रुपये का इनाम था। दोनों लंबे समय से माओवादी संगठन में सक्रिय थे और अलग-अलग पदों पर काम कर चुके थे।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिला पुलिस, डीआरजी, कोबरा बटालियन और सीआरपीएफ के संयुक्त प्रयासों से यह सफलता मिली है। सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों के लगातार अभियान से प्रभावित होकर दोनों ने हिंसा का रास्ता छोड़ने का फैसला लिया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, दोनों माओवादी छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कई इलाकों में सक्रिय रहे हैं तथा विभिन्न मुठभेड़ों और नक्सली घटनाओं से जुड़े रहे हैं।



आत्मसमर्पण के बाद शासन की पुनर्वास नीति के तहत उन्हें आर्थिक सहायता, आवास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

रामगोपाल अग्रवाल का जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर ,26 नवंबर। कोयला लेवी घोटाले में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम (नान) के पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की नियमित जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने कहा कि केस डायरी और जांच में सामने आए साक्ष्यों से आवेदक की आर्थिक अपराध में प्रथम दृष्टया संलिप्तता परिलक्षित होती है। बता दें कि रामगोपाल अग्रवाल को 8 जुलाई 2026 को एसीबी/ईओडब्ल्यू में दर्ज अपराध क्रमांक 03/2024 में गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन के अनुसार, छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन परमिट की ऑनलाइन व्यवस्था को मैनुअल प्रणाली में बदलकर 25 रुपये प्रति टन की दर से अवैध वसूली का नेटवर्क संचालित किया गया। रायगढ़, कोरबा और सूरजपुर सहित कोयला उत्पादक जिलों में जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच करीब 540 करोड़ रुपये की अवैध लेवी वसूली गई। प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर 17 जनवरी 2024 को 35 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। जांच एजेंसी का आरोप है कि अग्रवाल ने कांग्रेस प्रदेश कोषाध्यक्ष रहते हुए देवेंद्र डडसेना के माध्यम से अवैध लेवी से प्राप्त 104.20 करोड़ रुपये पार्टी के लिए खर्च किए। उनके और परिजनों के नाम पर संपत्तियां खरीदने का मामला भी जांच में सामने आया है। मामले की सुनवाई के दौरान रामगोपाल अग्रवाल के अधिवक्ताओं ने गिरफ्तारी को अनुचित बताते हुए कहा कि उन्होंने जांच में सहयोग किया है और हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता समाप्त हो चुकी है।

ग्राम रवेली में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित रंग छत्तीसा कार्यक्रम में शामिल हुए प्रणव शर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



उतई, 26 नवंबर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम रवेली में नव युवा जागरण लक्ष्मी समिति द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग छत्तीसा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की प्रसिद्ध कलाकार पूनम तिवारी और दिव्या तिवारी ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन के सभापति श्री प्रणव शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।इस अवसर पर प्रणव शर्मा ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति, आस्था एवं गौरवशाली परंपराओं को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे, सामाजिक समरसता एवं एकता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। युवा पीढ़ी द्वारा इस प्रकार के आयोजनों में सक्रिय सहभागिता हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सराहनीय प्रयास है।इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच लता ताराचंद वर्मा, समिति के पदाधिकारी अध्यक्ष- मोहन ठाकुर, दुलेश साहु, उपाध्यक्ष- भरत प्रजापति, संरक्षक - देवा साहूसचिव- होरी लाल, सदस्य - अमित यादव, ललित साहू सुभाष साहू, अजीत यादव, धर्मेंद्र साहू, मीत वर्मा, घनश्याम साहू, गजेंद्र साहू, खोमन साहू, अमर प्रजापति, पप्पू यादवएवं समस्त समिति सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शहर के हर वार्ड के कोने-कोने तक पहुंचेगी रोशनी, 1.30 करोड़ की लागत से सुधरेगी स्ट्रीट लाइट व्यवस्था

दुर्ग, 26 नवंबर। नगर पालिक निगम दुर्ग शहर की मार्ग प्रकाश व्यवस्था को व्यवस्थित, सुचारू एवं बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।महापौर अलका बाघमार के प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर में स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संचालन, संधारण, देखरेख एवं रखरखाव हेतु नई एजेंसी मेसर्स वाई.आर.सिंह को कार्यादेश जारी किया जा रहा है। निगम की इस पहल से शहर के सभी वार्डों, प्रमुख मार्गों, मोहल्लों एवं अंतिम छोर तक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया गया है।नगर निगम द्वारा शहर के सभी 60 वार्डों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 1.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे शहर की हर गली, मोहल्ले और प्रमुख मार्गों पर रोशनी सुनिश्चित होगी।नई एजेंसी द्वारा नगर निगम क्षेत्र में स्थापित विद्युत पोलों पर लगी स्ट्रीट लाइटों, सायंकालीन टाइमर व्यवस्था तथा विभिन्न वार्डों में खराब एवं बंद पड़ी ।



धनोरा में 2 एवं 3 जनवरी को जसगीत और झांकी प्रतियोगिता

धनोरा , 26 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में नववर्ष के अवसर पर 2 एवं 3 जनवरी शनिवार-रविवार को जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता तीन वर्गों–झांकी, पुरुष जसगीत गायन एवं महिला जसगीत गायन में आयोजित होगी तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसी तिथि को चंदखुरी, हनोदा, बोरसी, कोड़िया, कोकड़ी, मड़ोदा एवं नेवई भाठा में भी आयोजन प्रस्तावित है। प्रतियोगिता संबंधी जानकारी के लिए कोकड़ी एवं हनोदा में संपर्क किया जा सकता है। बैठक में लक्ष्मण बाबा सहित दरबार के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, भजन गायक एवं बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। आयोजन की जानकारी दरबार प्रतिनिधि नंद पंडा एवं कुंजलाल साहू ने दी।

एक नजर

मोबाइल फाइनेंस विवाद में मारपीट

भिलाई, 26 नवंबर (तछसं.)। भिलाई सुपेला स्थित हिमालय कॉम्प्लैक्स में मोबाइल फाइनेंस कराने को लेकर शुरू हुआ विवाद दूसरे दिन मारपीट तक पहुंच गया। मोबाइल दुकानदार और निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी के बीच हुई इस घटना में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है सुपेला थाने पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है सुपेला पुलिस ने बताया कि न्यू खुर्सीपार निवासी अशोक दलयानी की हिमालय कॉम्प्लेक्स में देवकृति इन्फोटेक नाम से मोबाइल दुकान है, जबकि खुर्सीपार निवासी सुरेश टोप्पो टीवीएस क्रेडिट फाइनेंस कंपनी में कार्यरत है। अशोक के मुताबिक, 22 नवंबर की रात करीब 9.20 बजे उसकी दुकान में एक ग्राहक आईफोन खरीदने आया था। फाइनेंस के लिए फोन करने पर सुरेश ने 10 मिनट में आने की बात कही, लेकिन वह नहीं पहुंचा और कॉल भी रिसीव नहीं किया, जिससे ग्राहक लौट गया इसी बात को लेकर दोनों के बीच वॉट्सऐप ग्रुप में बहस हुई अशोक का आरोप है कि हिमालय कॉम्प्लेक्स के गेट के पास सुरेश टोप्पो और उसके साथी अमर सिंह सोनी ने गाली-गलौज कर हाथ-मुक्कों से मारपीट की। वहीं, सुरेश ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि अशोक ने अपने साथियों दलजीत सिंह और नाहर के साथ मिलकर कॉलर पकड़कर मारपीट की जातिसूचक टिप्पणी की और जान से मारने की धमकी दी मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया ।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

भिलाई, 26 नवंबर (तछसं.)। भिलाई पावर हाउस पहुंच गए हैं और अब ऑटो लेकर घर लौट रहे हैं हम सब उनके आने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन बुधवार सुबह पुलिस के एक फोन ने सब कुछ खत्म कर दिया यह कहना है आकाश शुक्ला का, जिनके (67 साल) पिता रवि प्रकाश शुक्ला मंगलवार रात सड़क हादसे का शिकार हो गए खुर्सीपार थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-53 पर आईटीआई स्थित एमएलटी कंपनी के सामने रात करीब 8.30 बजे अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे बुजुर्ग को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी हादसा इतना भीषण था कि सुभाष चौक (भिलाई-3) निवासी रवि प्रकाश शुक्ला की मौके पर ही मौत हो गई सूचना मिलते ही खुर्सीपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाकर शव को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल की मॉच्वर्युरी में भिजवाया खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि हादसे में बुजुर्ग का मोबाइल फोन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी पुलिस टीम ने क्षतिग्रस्त फोन से सिम कार्ड निकालकर दूसरे मोबाइल में लगाया। इसके कुछ ही देर बाद परिजन का कॉल आया, जिसके जरिए शव की शिनाख्त हो सकी पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है ।

गल्ले से 5 हजार ले जाने की शिकायत की

भिलाई, 26 नवंबर (तछसं.)। भिलाई कोहका स्थित एक हार्डवेयर दुकान के कर्मचारी को डराने-धमकाने और अवैध रूप से रुपए वसूलने का मामला सामने आया है जानकारी के अनुसार, आरोपी दुकान पहुंचे और कर्मचारी पर दबाव बनाते हुए उसे धमकाया। आरोपियों ने डरा-धमकाकर दुकान के गल्ले या वहां रखे 5 हजार रुपए अपने कब्जे में ले लिए और वहां से चले गए आरोपियों की दबंगई यहीं नहीं रुकी, उन्होंने कर्मचारी को चेतावनी दी कि अगले दिन वे 25 हजार रुपए लेने फिर आएंगे आरोपियों ने स्पष्ट तौर पर धमकी दी कि यदि तय समय पर यह रकम नहीं दी गई, तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा इस घटना के बाद कर्मचारी काफी दहशत में आ गया उसने तत्काल स्मृति नगर चौकी पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई ।

सड़क चौड़ीकरण के लिए विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

दुर्ग, 26 नवंबर। दुर्ग जिले में जेल तिराहा से मिनीमाता चौक तथा महाराजा चौक से बोरसी चौक तक सड़क चौड़ीकरण के अन्तर्गत विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं ट्रान्सफॉर्मर संबंधी कार्य किए जाएंगे। उक्त कार्यों के लिए 28 नवंबर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10.00 बजे से शाम 05.00 तक निर्धारित क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।लोक निर्माण विभाग के एसडीओ (विद्युत/यांत्रिकी) श्री चन्द्राकर ने बताया कि 25 नवंबर 2026 दिन बुधवार को पुरानी बोरसी, केसरी नंदन हनुमान मंदिर, मीनाक्षी नगर, विवेकानंद नगर, इंटेंसिटी जिम यूको बैंक, एस.बी.आई. बैंक यूनियन बैंक, एच.डी.एफ.सी. बैंक, एवं निकटवर्ती क्षेत्र बंद रखा गया था। इसी तरह 26 नवंबर 2026 दिन गुरूवार ऋषभ साउथ सिटी, डी-मार्ट, मनीष पेट्रोल पंप, छत्तीसगढ़ कंस्ट्रक्शन कैंप, रॉयल पार्क व्यू कॉलोनी, शुभम के मार्ट के बगल वाला पेट्रोल पंप एवं निकटवर्ती क्षेत्र विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। 27 नवंबर 2026 दिन शुक्रवार पद्मांभपुर एल.आई.जी. क्षेत्र, काली बाड़ी और काली बाड़ी के पिछे क्षेत्र अली गैरेज एवं अली गैरेज के पिछे क्षेत्र और 28 नवंबर 2026 दिन शनिवार पुरानी बोरसी, केसरी नंदन हनुमान मंदिर, मीनाक्षी नगर एवं आस-पास के क्षेत्र विद्युत आपूर्ति बंद की जाएगी।

मितानिन दिवस पर नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने सेवाभाव के लिए मितानिन बहनों का किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



उतई, 26 नवंबर। मितानिन दिवस के अवसर पर नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले जी की अध्यक्षता में आज नगर पंचायत परिसर में मितानिन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने नगर की सभी मितानिन बहनों को सम्मानित कर उनके उत्कृष्ट सेवाभाव के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले ने कहा कि मितानिन बहनें दिन-रात पूरी निष्ठा, समर्पण और सेवाभाव के साथ समाज की सेवा में जुटी रहती हैं। वे स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की देखभाल, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने व जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने आगे कहा कि मितानिन बहनें शासन की स्वास्थ्य योजनाओं और आम नागरिकों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विषम परिस्थितियों में भी उनकी तत्परता, मेहनत और समर्पण सराहनीय है। स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है। उनके इसी सेवाभाव और जनकल्याण के प्रति समर्पण को सम्मानित करना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। नगर के मितानिन बहनें हुई सम्मानित उसमें अनिता सोनी,मोती ढीमर,जानकी देवांगन, चित्ररेखा पटेल,आरती छेदैया, कमलेश्वरी वर्मा,कामिनी धुरंधर,कामिनी ठाकुर,मोंगरा यादव,कृर्ति वर्मा,सुमित्रा खुराना शामिल रही।इस अवसर पर अध्यक्ष योगेश निक्की भाले,उपाध्यक्ष निशा सोनी,सभापति केवल देवांगन,सभापति जितेंद निर्मलकर, सभापति नेहा वर्मा सभापति देवेंद्र ठाकुर,पार्षद संगीता धुरंधर अन्नपूर्णा पटेल चंद्रप्रकाश देवांगन एल्डरमैन दामोदर चक्रधारी प्रकाश बिजोरा गंगा प्रसाद देवांगन,बाबा वर्मा,चिरंजीव देवांगन सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी व कर्मचारी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

मानसिक तनाव के चलते छात्र ने की खुदकुशी

भिलाई, 26 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत एमबीबीएस के एक छात्र ने मानसिक तनाव के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मृतक की पहचान जंजगिरी निवासी अभिजीत देवांगन पिता तीरथ राम



देवांगन (22 साल) के रूप में हुई है स्मृति नगर चौकी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार अभिजीत कोहका स्थित अवंती बाई चौक के पास शिवाजी नगर में एक पीजी (पेइंग गेस्ट) रूम में रहकर पढ़ाई कर रहा था देर शाम करीब 8-30 बजे उसने अपने कमरे में ही फांसी लगा ली घटना की सूचना मिलते ही उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास से एक पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ है प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अभिजीत ने पिछले सितंबर माह में सेकंड ईयर की यूनिवर्सिटी परीक्षा दी थी इस परीक्षा में पैथोलॉजी और फार्माकोलॉजी विषय में सप्लीमेंट्री आने के कारण वह पिछले कुछ समय से गहरे मानसिक तनाव में था, जिसे इस आत्मघाती कदम का मुख्य कारण माना जा रहा है।

श्रम कार्ड अद्यतन संशोधन शिविरों को मिल रहा श्रमिकों का अच्छा प्रतिसाद

दुर्ग, 26 नवंबर। जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का निरंतर लाभ दिलाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे श्रम कार्ड अद्यतन शिविरों को श्रमिकों का भरपूर प्रतिसाद (रिस्पॉन्स) मिल रहा है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लगाए जा रहे इन शिविरों में बड़ी संख्या में श्रमिक पहुंचकर अपना श्रम कार्ड अद्यतन / संशोधन कार्य करवा रहे हैं।

सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा योजनाओं की राशि और सुविधाएं सीधे वास्तविक एवं पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए विभागीय डेटाबेस को आधार कार्ड के अनुरूप सत्यापित किया जा रहा है। इस कार्य के लिए कॉमन सर्विस सेंटर को अधिकृत किया गया है, जिनके संचालकों द्वारा क्षेत्रवार शिविर लगाकर श्रमिकों को यह सुविधा उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध कराई जा रही है। शिविरों में मिल रहे उत्साहजनक परिणामों से डेटाबेस अद्यतन के कार्य में तेजी आई है।विभागीय नियमानुसार, आगामी योजनाओं का लाभ केवल उन्हीं पात्र श्रमिकों को मिलेगा जिनका श्रम कार्ड आधार कार्ड के अनुरूप अद्यतन होगा। प्रशासन और श्रम विभाग ने जिले के शेष सभी पंजीकृत श्रमिकों से भी अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय रहते अपने निकटतम शिविर अथवा सी.एस.सी. केंद्र में स्वयं उपस्थित होकर अपना श्रम कार्ड अद्यतन / संशोधन कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं।

बार-बार पाइपलाइन फूटने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित, नई लाइन बिछाने दिया आवेदन

दुर्ग, 26 नवंबर । जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल कुमार रजक भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 63 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 58 उरला में पेयजल पाइपलाइन बार-बार टूटने से रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण के लिए वार्डवासियों ने नई पाइपलाइन बिछाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि अमृत मिशन योजना के तहत सभी घरों में लंबे पाइपलाइन कनेक्शन दिए गए हैं। इस मार्ग से बड़े वाहनों के आवागमन के कारण पाइपलाइन बार-बार टूट जाती है, जिससे घरों में पेयजल आपूर्ति बाधित होती है। पाइपलाइन की मरम्मत के बाद भी कुछ दिनों में फिर टूटने की समस्या सामने आ रही है। वार्डवासियों ने नई पाइपलाइन बिछाने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सके।विकासखंड दुर्ग के ग्राम भेड़सर निवासी ने भारी बारिश एवं आंधी-तूफान के कारण मकान क्षतिग्रस्त होने के कारण आर्थिक सहायता प्रदान करने आवेदन दिया। आवेदक ने बताया कि तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के कारण उनका मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवेदक का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है तथा परिवार के सदस्य शारीरिक रूप से भी कमजोर होने के कारण मजदूरी एवं अन्य कार्य करने में असमर्थ हैं। मकान क्षतिग्रस्त होने से परिवार के सामने रहने और जीवनयापन की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को मकान क्षति(आपदा) के तहत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।ग्राम पंचायत चंदखुरी के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण करवाने आवेदन दिया। ग्रामीणजनों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 1 में रोड सीमेंटीकरण नही होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लगभग 50 मीटर सड़क का सीमेंटीकरण कार्य नहीं होने से बारिश के दौरान कीचड़ एवं जलभराव की स्थिति बनी रहती है। उक्त सड़क का निर्माण लंबे समय से लंबित है। इस संबंध में ग्राम सरपंच को भी बताया गया है।

अब तक 6,694 किसानों ने बेचा 23 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान

धमतरी, 26 नवंबर। खेतों में मेहनत से तैयार धान की उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए जिले के किसान खरीदी केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। जिले में धान उपार्जन का सिलसिला लगातार आगे बढ़ रहा है। खरीदी व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए टोकन प्रणाली के माध्यम से किसानों को धान विक्रय की सुविधा दी जा रही है। साथ ही वास्तविक कृषि रकबे के अनुरूप खरीदी सुनिश्चित करने के लिए रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी जारी है।

26 नवंबर की स्थिति में जिले में अब तक 6,694 किसानों से 23,093.76 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं, आगामी खरीदी के लिए कुल 1,813 टोकन जारी किए गए हैं।

घर बैठे मोबाइल से मिला धान विक्रय का टोकन,कबीरधाम जिले के कोठार केंद्र में किसान ने बेचा 50 क्विंटल धान

कबीरधाम, 26 नवंबर। धान खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन की सुविधा किसानों के लिए काफी सहायक साबित हो रही है। अब किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए समिति के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ रही है। वे घर बैठे मोबाइल से टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर आसानी से अपनी उपज बेच रहे हैं। ग्राम चरडोनगरी निवासी किसान श्री तुलस राम चंद्रवंशी ने भी इस सुविधा का लाभ उठाते हुए कोठार उपार्जन केंद्र में 50 क्विंटल धान का विक्रय किया।किसान श्री चंद्रवंशी के पास कुल 9 एकड़ 60 डिसमिल कृषि भूमि है। इस वर्ष उन्होंने 4 एकड़ 50 डिसमिल में धान की खेती की है और उन्हें कुल 96 क्विंटल धान का विक्रय करना है। इसी क्रम में उन्होंने मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया और निर्धारित तिथि पर कोठार



उपार्जन केंद्र पहुंचकर 50 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा। किसान श्री चंद्रवंशी ने बताया कि पहले टोकन के लिए समिति जाना पड़ता था, लेकिन अब मोबाइल से घर बैठे ही टोकन मिल जाता है। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होती है। उपार्जन केंद्र में भी किसानों के लिए पीने के पानी, छाया और बारदान की व्यवस्था उपलब्ध है। इन सुविधाओं से धान विक्रय की प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक हो गई है।

उन्होंने कहा कि अब धान बेचने के लिए टोकन की चिंता नहीं रहती। घर बैठे मोबाइल से टोकन मिल जाता है और केंद्र में भी सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेच पा रहे हैं। उन्होंने किसानों के हित में अच्छी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और किसान सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऑनलाइन टोकन के साथ उपार्जन केंद्रों में पेयजल, छाया और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों को अपनी मेहनत की उपज बेचने में सहूलियत मिल रही है।



गांजा बेचने वाली महिला गिरफ्तार

भिलाई, 26 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई अवैध रुप से शराब बेचने वाली अधेड़ महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है कुम्हारी प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि महिला का नाम वार्ड -15 रुप नगर कुम्हारी निवासी सीता जगत (55 साल) है महिला के पास से पुलिस ने शोले देशी मसाला मदिरा 27 पौवा, सुपर प्लेन मदिरा 10 पौवा कुल 6.660 बल्क लीटर, जब्त किया गया जिस की कीमत 3500 रुपए आंकी गई है इसके अवावा नगद 1750 बरामद किया गया



गांजा सहित युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिलाई, 26 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महामाया रोड तालाब के पास कुम्हारी में एक संदिग्ध को पुलिस ने पकड़ा जांच के दौरान एक नीले रंग के थैले के अंदर पालीथीन में मादक पदार्थ गांजा 01.850 किलोग्राम गांजा बरामद किया है कुम्हारी प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थो की खरीदी-बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा इसमें संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए संकल्प अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज एसीसीयू एवं थाना कुम्हारी पुलिस टीम ने कुम्हारी क्षेत्र में संदिग्ध स्थानों पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान महामाया रोड तालाब के पास कुम्हारी में एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों पर संदेह होने पर पुलिस टीम ने जांच की। जांच के दौरान एक नीले रंग के थैले के अंदर पालीथीन में मादक पदार्थ गांजा 01.850 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया पुलिस आरोपी श्याम ताण्डी पिता मती राम ताण्डी (37 साल) निवासी स्टेशन चौक रूप नगर कुम्हारी के विरूद्ध थाना कुम्हारी में नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया है ।

समाचार संक्षेप

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य सुचारु रूप से संचालित

कोरबा 26 नवंबर। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित है। जिले के 60 सहकारी समितियों के 73 धान उपार्जन केन्द्रो में माध्यम से किसानों से धान उपार्जन किया जाएगा। जिला खाद्य अधिकारी श्री जी एस कंवर ने बताया कि 15 नवम्बर से आज दिनांक तक जिले में कुल 12368.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई। सोमवार 25 नवम्बर को कुल 2959.20 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। समितियों में 26 नवम्बर गुरुवार को 3834.40 क्विंटल धान खरीदी हेतु टोकन जारी किया गया है।उन्होंने बताया कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सहूलियत हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। धान विक्रय हेतु आए किसानो ने पारदर्शी एवं त्वरित धान प्रकिया के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए समर्थन मूल्य में धान की बिक्री होने पर खुशी जाहिर की हैकलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने धान खरीदी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करने हेतु पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुद्ध पेजयल, छांव, बैठक, शौचालय आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही राजस्व, खाद्य, मंडी सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीम का गठन कर खरीदी केंद्रों में अवैध धान के आवक पर रोक लगाने हेतु सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

पाटन विकासखंड के 15 गांवों को जोड़ने वाले सेलूद-जामगांव-रानीतराई-पाटन मार्ग का होगा डामर नवीनीकरण

दुर्ग, 26 नवंबर। जिला दुर्ग के सेलूद-जामगांव-रानीतराई-पाटन मार्ग (लंबाई लगभग 38.00 कि.मी.) के डामर नवीनीकरण कार्य के लिए लगभग रू. 17.11 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई थी। कार्य की निविदा आमंत्रित कर एजेंसी का चयन किया गया और संबंधित ठेकेदार को कार्य आदेश जारी कर दिया गया है। यह कार्य विभागीय प्राथमिकता में शामिल है।लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. भट्टाचार्य ने बताया कि इस मार्ग का निर्माण वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया गया था। निर्माण को सात वर्ष पूरे होने और मार्ग के महत्व को देखते हुए इसका नवीनीकरण कराया जा रहा है। यह पाटन विकासखंड का महत्वपूर्ण मार्ग है, जो सेलूद, फेकारी, गाड़ाडीह, आमालोरी, पौहा, कुम्हली, जामगांव (आर), भरर, करेला, दिघारी, औसर, रानीतराई, असोगा, खर्रा और तेलीगुंडरा गांवों को पाटन मुख्यालय से जोड़ता है। साथ ही यह दुर्ग जिले से धमतरी एवं बालोद जिलों के आवागमन के लिए भी उपयोगी है। रानीतराई स्थित महाविद्यालय के विद्यार्थियों और यात्रियों को भी इससे सुविधा मिलती है।उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री अरुण साव के निर्देशन में प्रदेश में सड़कों के निर्माण और नवीनीकरण के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं, और यह कार्य भी उसी क्रम में हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मड़ई मेला लोकसंस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखती है : कुलबीर

राजनांदगांव,26 नवंबर(तरुण छत्तीसगढ़)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर ग्राम भोथीपार खुर्द पुराना में आजाद तिरंगा फ्रेंड्स क्लब द्वारा 23 नवंबर सोमवार को मड़ई मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोरंजन के लिए लोकप्रिय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रंग छत्तीसा' का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा शामिल



हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री छाबड़ा ने मातर मंडई, देव दीपावली एवं कार्तिक पूर्णिमा पर्व की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यह बड़े ही हर्ष का विषय है कि आज की युवा पीढ़ी छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और लोककला को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजन कर रही है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मड़ई मेला जैसे आयोजन हमारी लोकसंस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ ही आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को भी मजबूत करते हैं। श्री छाबड़ा ने आयोजन के लिए आजाद तिरंगा फ्रेंड्स क्लब के सभी सदस्यों एवं युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में सराहनीय पहल हैं। समारोह में पूर्व उपसरपंच कुंदन चंद्राकर, पूर्व पार्षद मनीष साहू, केशव साहू, नारायण साहू, रूपेश साहू, गिरधर, दीपक साहू, डोमन साहू, सरपंच जितेन्द्र साहू, उपसरपंच युवराज साहू, मंगल साहू, जितेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अवैध धान के भण्डारण एवं परिवहन पर प्रशासन कर रहा सख्त कार्रवाई

राजनांदगांव ,26 नवंबर(तरुण छत्तीसगढ़)। शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी का कार्य जिले में सुचारू रूप से किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा किसानों को धान विक्रय में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसके लिए धान उपार्जन केन्द्रों में खरीदी व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिले में धान खरीदी प्रारंभ होने से अब तक 9420 किसानों से 36015.76 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार आज जिले के 122 धान उपार्जन केन्द्रों के लिए 1789 टोकन जारी किए गए थे। जारी टोकन में 7527.25 मीट्रिक टन धान विक्रय के लिए पंजीकृत था। इनमें से 1584 किसानों द्वारा 6195.28 मीट्रिक टन धान का विक्रय किया गया। इस प्रकार आज जारी टोकन के विरूद्ध 88.54 प्रतिशत किसानों ने अपने धान का विक्रय किया। आगामी 26 नवम्बर 2026 को जिले के 122 धान उपार्जन केन्द्रों में 7647.38 मीट्रिक टन धान विक्रय के लिए 1710 टोकन जारी किए गए हैं।अवैध धान के भण्डारण एवं परिवहन पर लगातार की जा रही कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में पारदर्शिता बनाए रखने तथा अवैध धान के भण्डारण, परिवहन एवं धान उपार्जन केन्द्रों में अवैध धान खपाने के प्रयासों पर रोक लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग के अमले द्वारा सतत निगरानी रखते हुए जांच एवं जप्ती की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज जिले में अवैध धान के 2 प्रकरण दर्ज कर कुल 205 कट्टा (82 क्विंटल) धान जप्त किया गया। मंडी विभाग राजनांदगांव द्वारा राजनांदगांव स्थित एक पोहा उद्योग से 150 कट्टा (60 क्विंटल) तथा मंडी विभाग डोंगरगढ़ द्वारा डोंगरगढ़ में 55 कट्टा (22 क्विंटल) धान जप्त किया गया। लाइसेंस में निर्धारित सीमा से अधिक धान का भण्डारण करने एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर जप्ती की कार्रवाई की गई। जिले में अब तक अवैध धान के 34 प्रकरण दर्ज कर 2997.50 क्विंटल धान (7090 कट्टा) एवं 4 वाहन जप्त किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान के भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जल जीवन मिशन ने बदली पहाड़ी गांव गहन्दर की तस्वीर

रायपुर. ,26 नवंबर(तरुण छत्तीसगढ़)। कभी परिवार की प्यास बुझाने पहाड़ी रास्तों से नाले और झरने से पानी लाना महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। मटमैले पानी को कई परतों से छानकर पीने लायक बनाना पड़ता था। आज उन्हीं महिलाओं के घरों में नल से स्वच्छ पानी पहुंच रहा है। पानी जुटाने में लगने वाला समय और श्रम बच रहा है। घरों में साग-सब्जियां उगने लगी हैं और परिवारों के खानपान में भी बदलाव आ रहा है। यह तस्वीर गरियाबंद जिले के घने जंगलों के बीच पहाड़ी पर बसे गहन्दर गांव की है, जहां आज भी बिजली नहीं पहुंची है और चारपहिया वाहन से जाना संभव नहीं है। जल जीवन मिशन के तहत सौर ऊर्जा आधारित नल-जल योजना ने यहां विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के परिवारों, खासकर महिलाओं की जिंदगी को नई दिशा दी है। गरियाबंद जिला मुख्यालय से राजधानी रायपुर की ओर करीब 20 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी पर ग्राम पंचायत बारूका स्थित है। वहां से करीब 11 किलोमीटर लंबे जंगली रास्ते से होकर पहाड़ी पर बसे इसके आश्रित ग्राम गहन्दर तक पहुंचा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर हैं हमारे कंटेंट क्रिएटर्स : मुख्यमंत्री

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायपुर, 26 नवंबर.मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिएटर एंड इन्फ्लुएंसर अवॉर्ड्स 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के कंटेंट क्रिएटर्स प्रदेश के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर हैं। वे अपने कैमरे और रचनात्मकता से छत्तीसगढ़ की ऐसी सुंदर तस्वीर देश-दुनिया के सामने ला रहे हैं, जिससे प्रदेश की लोककला, संस्कृति, खान-पान, पर्यटन स्थलों और छत्तीसगढ़ी भाषा को नई पहचान मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म सूचना एवं संवाद के प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। कंटेंट क्रिएटर्स की पहुंच लाखों लोगों तक है। वे मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और जनहित के विषयों को लोगों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छत्तीसगढ़ के जनजातीय और ग्रामीण अंचलों की समृद्ध परंपराओं, कला-संस्कृति और अनछुए पर्यटन स्थलों को दुनिया के सामने लाने में क्रिएटर्स का योगदान अहम हो सकता है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की जनता की सार्वजनिक वोटिंग के माध्यम से अपने पसंदीदा क्रिएटर्स का चयन किया गया। अवॉर्ड्स के लिए 16 मुख्य श्रेणियों और 46 उपश्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें फूड, संस्कृति, स्वास्थ्य, शिक्षा, लाइफस्टाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से उल्लेखनीय योगदान देने वाले क्रिएटर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पॉडकास्ट शैली में युवा क्रिएटर्स से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने राजनीतिक और सामाजिक जीवन के अनुभव साझा किए।

पंच से निर्विरोध सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री तक के सफर से जुड़े सवाल पर उन्होंने बताया कि कम उम्र में पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। पढ़ाई के साथ परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए वे सार्वजनिक जीवन में आए। गांव के लोगों ने उन्हें पंच और फिर सरपंच चुना। इसके बाद जनता के आशीर्वाद से विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिला। खेती-किसानी से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसान परिवार से आते हैं और उन्होंने खेती को करीब से देखा है। खेती ने उन्हें धैर्य, परिश्रम और जमीन से जुड़े रहने की सीख दी है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं और जरूरतों को वे समझते हैं।

हमारी सरकार किसानों की सरकार है। प्रदेश में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। पात्रता के अनुसार 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले किसानों को भी आदान सहायता का लाभ दिया जा रहा है। नक्सलवाद के खात्मे से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक रहा।

माँ बम्लेश्वरी के दर्शन को पहुंचे रघुबर दास का पेण्ड्री में भव्य स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



राजनांदगांव,26 नवंबर। कार्तिक पूर्णिमा एवं सिख धर्म के पवित्र प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ प्रवास पर पहुंचे झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुबर दास का संस्कारधानी राजनांदगांव के ग्राम पेण्ड्री में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं आत्मीय अभिनंदन किया गया। उनके आगमन से कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया।यह स्वागत कार्यक्रम उत्तर मंडल अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष गेमू कुंजाम एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष हैरी जोसफ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने रघुबर दास का पुष्पगुच्छ एवं फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए उनके प्रति सम्मान और आत्मीयता व्यक्त की। इस दौरान स्वागतकर्ताओं ने कहा कि रघुबर दास का राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में लंबा अनुभव रहा है। झारखंड के मुख्यमंत्री और ओडिशा के राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके रघुबर दास का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है। उनके आगमन से स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह रहा। इस अवसर पर पार्षद कुलेश्वर ध्रुव, शहर मंत्री संजय रात्रे, मंडल मोर्चा महामंत्री मनीष ध्रुव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष गौरव सिंह मार्को, खिलावन नेताम सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने रघुबर दास का स्वागत कर उनके प्रवास को यादगार बनाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आपसी सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता का परिचय दिया। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात आयोजकों ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और उपस्थिति से यह आयोजन गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण रहा।

किसान भागवत साहू की मेहनत को मिल रहा सम्मान

राजनांदगांव 26 नवम्बर। खेतों में दिन-रात मेहनत कर फसल उगाने वाले किसानों के लिए अपनी उपज का उचित मूल्य मिलना किसी बड़ी खुशी से कम नहीं होता। किसान की मेहनत का सम्मान और उसके परिवार की खुशहाली तब और बढ़ जाती है, जब शासन की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ उसे सहजता से मिलता है। ऐसी ही कहानी राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम उपरवाह के किसान श्री भागवत साहू की है, जो अपने पुत्र श्री रिकेश साहू के साथ धान उपार्जन केन्द्र उपरवाह में अपनी मेहनत से उगाए गए लगभग 31 क्विंटल धान का विक्रय करने पहुंचे थे। किसान श्री भागवत साहू के पुत्र श्री रिकेश साहू ने बताया कि उनके परिवार के पास डेढ़ एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने बताया कि मोबाईल के माध्यम से धान विक्रय के लिए आसानी से ऑनलाईन टोकन प्राप्त हो गया। शासन द्वारा धान उपार्जन केन्द्र उपरवाह में धान विक्रय के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है। किसानों को अपनी उपज का विक्रय करने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। ऑनलाईन टोकन की सुविधा से किसानों के समय की बचत हो रही है तथा धान विक्रय की प्रक्रिया सहज एवं सरल हो गई है। श्री रिकेश साहू ने बताया कि पिछले वर्ष समर्थन मूल्य पर धान विक्रय एवं कृषक उन्नति योजना अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग कृषि कार्यों में किया है।

मवेशी धर-पकड़ अभियान के तहत 13 मवेशी पकड़कर कांजी हाउस भेजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 26 नवम्बर। त्योहार में भीड भाड की वजह से दुर्घटना को ध्यान में रखकर नगर निगम का मवेशी धरपकड अभियान टीम का चैक चैराहो में बैठे एंव घुमंतु मवेशी पकडने का अभियान नियमित रूप से जारी है। टीम द्वारा जहॉ रात में चैक चैराहो, व मोहल्लों से मवेशी हकालने काम कर रही है, वही बीमार मवेशियो को ईलाज के लिए आरोग्यम गौशाला पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेल्प लाईन एवं निदान 1100 में प्राप्त शिकायतो के आधार पर भी मवेशी पकड काजी हाउस छोडा जा रहा है। मवेशी धरपकड अभियान के तहत विगत दो दिन में चैक चैराहो से 13 घुमंतु एवं बैठे मवेशी पकड़कर रेवाडीह कांजी हाउस पहुॅचाया गया। जहॉ दाना पानी के अलावा गंज मण्डी से बचे फल सब्जी लाकर मवेशियो को खिलाया जा रहा है।

मवेशियों को पकड़ने शासन व प्रशासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार नगर निगम की घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने गठित टीम निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम के मार्गदर्शन में चैक चैराहो से घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही के तहत आज गंज चैक, मठपारा रोड, लखोली चैक, कमला कालेज चैक व रोड, से 7 मवेशी पकड रेवाडीह काजी हाउस छोडे वही कल 24 नवम्बर को आर.के.नगर, महाराणा प्रताव चैक, बसंतपुर चैक, नंदई चैक, बाईपास ब्रिज से 6 मवेशी पकड रेवाडीह काजी हाउस छोडे थे, उसी प्रकार मुख्यमंत्री हेल्प



लाईन एवं निदान 1100 में प्राप्त शिकायत के आधार पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 11 मवेशी पकड कांजी हाउस छोड शिकायत का निराकरण किया गया। काजी हाउस में रखे मवेशियो को छोडने पर 570-570 रूपये संबंधित से अर्थदण्ड लेकर मवेशी छोडा जायेगा। इसके अलावा रात में दुर्घटना को ध्यान में रखकर गत रात्रि जी.ई.रोड, जयस्तम्भ चैक, मठपारा, नंदई, इंदिरा नगर, मोहारा के प्रमुख मार्ग व चैक-चैराहो में बैठे तथा विचरण करते मवेशियो को निगम की टीम द्वारा हकाला गया। इसी प्रकार प्रतिदिन रात में दुघटना से बचाने प्रमुख चैक चैराहो व सड़को से मवेशी हकाला जाता है तथा रेडियम पट्टी पहनाया जाता है। इसी के साथ विवेकानंद नगर तथा मेडिकल कालेज के पास से बीमार मवेशी की सूचना पर उन्हे पकड ईलाज के लिए आरोग्यंम गौशाला छोड़ा गया। इसी कडी में शीतला मंदिर रोड बूढासागर के किनारे गिरी गाय को टीम ने निकाल ईलाज के लिए आरोग्यम गौशाला छोडे। आयुक्त श्री मरकाम ने भीड भाड में दुर्घटना से बचने मवेशी मालिको से अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चैक-चैराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोडने की अपील की है। अपालन की स्थिति में मवेशी मालिकों के उपर कार्यवाही करते हुये अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।

संस्कारधानी के तीन वार्डों में आकांक्षी शौचालय निर्माण के लिए राज्य शासन ने स्वीकृति प्रदान की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव,26 नवंबर। संस्कारधानी के तीन वार्डो में आकांक्षी शौचालय निर्माण हेतु राज्य शासन ने स्वीकृति प्रदान की है। महापौर मधुसूदन यादव ने बताया कि नगर निगम राजनांदगॉव को शहर के तीन वार्डो क्रमशः मोतीपुर, सेठीनगर एवं राहुलनगर में पुराने जर्जर शौचालय के पुनर्निर्माण हेतु नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से स्वीकृति प्राप्त हुई है। अब इन तीनों वार्डो में स्थित पुराने एवं अनुपयोगी जर्जर शौचालय को तोड़कर सर्वसुविधायुक्त नवीन आकांक्षी शौचालय का निर्माण जाएगा, जिसमें पुरुष, महिला एवं दिव्यांगजनों हेतु पृथक स्नानागार सहित आधुनिक सुविधाएं होंगी। तीनों वार्डो में 10 सीटर टाईप-टू आकांक्षी शौचालयों का निर्माण नगर निगम द्वारा करवाया जायेगा। प्रत्येक वार्ड में शौचालय निर्माण हेतु 23 लाख 62 हजार रू. की राशि स्वीकृत कर आनलाईन निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इन वार्डो में नवीन शौचालय निर्माण का प्रस्ताव नगर निगम राजनांदगॉव द्वारा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग राजनांदगॉव को पूर्व में स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया था, जिसके निर्माण हेतु शासन से विभागीय अनुमति एवं बजट प्राप्त हो चुका है। वार्ड भ्रमण के दौरान स्थानीय रहवासियों ने महापौर को अवगत कराया था कि वार्ड में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के समीप एवं स्कूल के पीछे स्थित सार्वजनिक शौचालय पिछले कई वर्षों से जर्जर अवस्था में था, जिसके दरवाजे, छज्जे व सीटें क्षतिग्रस्त और अनउपयोगी हो गई थी और यहॉ की दुर्गंध से वार्डवासी परेशान थे। इसी प्रकार स्थानीय वार्ड नंबर 36 सेठीनगर में स्थानीय वार्डवासियों के अनुरोध पर एवं वार्ड नंबर 03 मोतीपुर के वार्डवासियों की मांग पर, महापौर मधुसूदन यादव ने नगर पालिक निगम राजनांदगॉव से शौचालय निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा था और जिसपर राज्य शासन से कार्य एजेन्सी नगर निगम राजनांदगॉव को प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। उक्त तीनों वार्डो में आकांक्षी शौचालय निर्माण हेतु राशि स्वीकृत होने पर वार्डवासियों सहित पार्षदगण गिरिजा संतोष निर्मलकर, श्रीमती चंद्रिका साहू, मनोहर साहू एवं कमलेश बंधे ने डॉ0 रमन सिंह अध्यक्ष छ.ग. विधानसभा एवं विधायक राजनांदगॉव, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव, राजनांदगॉव सांसद संतोष पाण्डे, राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव, नगर निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र (पारस) वर्मा एवं निगम आयुक्त जी0आर0मरकाम का आभार व्यक्त किया है।

घोषणाओं में नहीं, किसानों को तत्काल मिले मुआवजा : भागवत साहू

राजनांदगांव ,26 नवंबर(तरुण छत्तीसगढ़)। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष भागवत साहू ने बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार मुआवजे की घोषणा तक सीमित न रहे, बल्कि प्रभावित किसानों को जल्द राहत राशि उपलब्ध कराए। पटवारियों की हड़ताल समाप्त होने के बावजूद अब तक कई क्षेत्रों में फसल क्षति का सर्वे नहीं हुआ है। ऐसे में किसानों की परेशानी लगातार बढ़ रही है।श्री साहू ने कहा कि प्रदेश के लाखों हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में बेमौसम बारिश के कारण धान की फसल को व्यापक नुकसान पहुंचा है। किसानों ने पूरे साल मेहनत कर अपनी फसल



तैयार की थी, लेकिन ऐन कटाई और खरीदी के समय मौसम की मार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खेतों में खड़ी फसल गिरने, पानी में डूबने और दानों के खराब होने से किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई है। इसके अलावा खरीदी केंद्रों में रखी धान भी बारिश से प्रभावित हुई है। इसके बावजूद सरकार की ओर से अब तक नुकसान का वास्तविक और व्यापक आकलन नहीं कराया जाना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए केवल औपचारिकता पूरी करने के बजाय जमीन पर राहत पहुंचाने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। नुकसान का निष्पक्ष सर्वे कराकर प्रत्येक प्रभावित किसान को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि किसानों को आर्थिक संकट से उबारा जा सके। श्री साहू ने किसानों के हित में सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि पहली मांग यह है कि बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों की फसलों का तत्काल सर्वे कराया जाए और नुकसान के अनुपात में उचित मुआवजा दिया जाए। दूसरी मांग है कि धान खरीदी की निर्धारित समय-सीमा को कम से कम 15 दिन आगे बढ़ाया जाए, ताकि बारिश के कारण प्रभावित किसान अपनी उपज बेचने से वंचित न रह जाएं। तीसरी मांग है कि खराब मौसम और बारिश के चलते जिन किसानों के धान खरीदी टोकन निरस्त हुए हैं, उन्हें दोबारा टोकन जारी कर धान बेचने का अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि मौसम की मार से पहले ही किसान परेशान हैं। ऐसे में यदि खरीदी की समय-सीमा समाप्त हो जाती है और निरस्त टोकन दोबारा जारी नहीं किए जाते, तो किसानों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। सरकार को खरीदी व्यवस्था में आवश्यक बदलाव कर किसानों को राहत देनी चाहिए। श्री साहू ने कहा कि किसान छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन की रीढ़ हैं। प्रदेश की खुशहाली किसानों की मेहनत पर निर्भर करती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने की पहल

छत्तीसगढ़ में डिजिटल तकनीक से आधुनिक होगी पंजीयन व्यवस्था, 'धरोहर' पोर्टल का पायलट परीक्षण शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 26 नवंबर.मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में पंजीयन सेवाओं के आधुनिकीकरण और डिजिटल रूपांतरण की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। नागरिकों को सरल, सहज, सुरक्षित एवं पारदर्शी पंजीयन सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा नवीन 'धरोहर' पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल का पायलट परीक्षण रायपुर के तेलीबांधा स्थित उप पंजीयक कार्यालय क्रमांक-06 में प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा शासकीय सेवाओं में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए तकनीकी एवं प्रक्रियागत सुधार किए जा रहे हैं। 'धरोहर' पोर्टल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से पंजीयन प्रक्रिया में आधुनिक डिजिटल सुविधाओं का समावेश कर नागरिकों के समय और श्रम की बचत करने का प्रयास किया जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य नई प्रणाली का व्यावहारिक परीक्षण करना, तकनीकी चुनौतियों की पहचान करना तथा प्राप्त अनुभवों और सुझावों के आधार पर आवश्यक सुधार करना है, ताकि प्रदेश स्तर पर लागू करने से पहले पोर्टल को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया जा सके। नई तकनीकी प्रणाली के सुचारु क्रियान्वयन के लिए पंजीयन विभाग द्वारा चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाई जा रही है। वर्तमान में 'धरोहर' पोर्टल का पायलट परीक्षण रायपुर के तेलीबांधा स्थित उप पंजीयक कार्यालय क्रमांक-06 तक सीमित है। रायपुर जिले के अन्य पंजीयन कार्यालयों सहित प्रदेश के शेष कार्यालयों में पूर्व से संचालित एनजीडीआरएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पंजीयन कार्य सामान्य रूप से जारी रहेगा। नई प्रणाली के पूर्ण परीक्षण और आवश्यक तकनीकी सुधारों के बाद ही इसे अन्य कार्यालयों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इस दौरान पुरानी और नई व्यवस्था के बीच आवश्यक समन्वय बनाए रखा जाएगा, ताकि नागरिकों को पंजीयन सेवाएं प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इससे पहले भी आईटी सॉल्यूशन और एनजीडीआरएस सॉफ्टवेयर लागू करते समय विभाग द्वारा इसी प्रकार चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाई गई थी। 'धरोहर' पोर्टल में अधिवक्ताओं एवं दस्तावेज लेखकों के पंजीयन और आईडी जारी करने की प्रक्रिया को सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाया गया है। रायपुर जिले में अब तक आईडी अनुमोदन के लिए प्राप्त सभी आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इनमें 33 अधिवक्ताओं और 2 दस्तावेज लेखकों के आवेदन शामिल हैं। विभाग द्वारा आवेदन प्राप्त होने पर उनका परीक्षण कर तत्काल अथवा यथाशीघ्र अनुमोदन किया जा रहा है। आईडी अनुमोदित होने के बाद संबंधित अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक अपनी आईडी के माध्यम से 'धरोहर' पोर्टल पर पंजीयन कराने वाले पक्षकारों के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं।

कई विश्व रिकार्ड यूं ही नहीं बन जाते हैं

विश्व के हर खेल में हजारों खिलाड़ी अपना अपना खेलते हैं,विश्वस्तरीय खिलाड़ी होने के नाते वह हर तरह से योग्य होते हैं लेकिन हजारों खिलाडिय़ों में कुछ खिलाड़ी ही होते हैं जो जीवन भर खेलने के बाद कई विश्व रिकार्ड बनाते हैं और विश्व रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ी सदी के महान खिलाड़ी माने जाते हैं, विश्व के महान खिलाड़ी माने जाते हैं,अपने देश के महान खिलाड़ी माने जाते हैं। विश्व रिकार्ड कोई बनाता है तो वह अपनी योग्यता के कारण बनाता है, दूसरे खिलाडिय़ों से कुछ अलग होने के कारण बनाता है। वह दूसरे खिलाडिय़ों से कुछ तो अलग खेलता है इसलिए अपने खेल जीवन के शुरू से वह विश्व रिकार्ड बनाता जाता है। ज्यादातर खिलाड़ी को अपने जीवन में जब पीक पर रहते हैं,तब ही विश्व रिकार्ड बनाते हैं, बहुत कम खिलाड़ी होते हैं जो कम उम्र में ही खेल के मैदान में आ जाते हैं और कम उम्र से ही विश्व रिकार्ड बनाना शुरू कर देते हैं।देश में ऐसे खिलाड़ी गिनती के होते हैं, जैसे भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर,विराट कोहली।यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे, वक्त के साथ उनकी प्रतिभा निखरती गई और आज वह विश्व व देश के महान खिलाड़ी माने जाते हैं। ऐसे खिलाडिय़ों में कुछ अलग ही खेल प्रतिभा होती हैं और उसे गाड गिफ्टेड माना जाता है। नई पीढ़ी में ऐसा कोई खिलाड़ी बहुत दिनों से बाद सामने आया है तो वह है बिहार के छोटे गांव से निकला वैभव सूर्यवंशी। वह इन दिनो देश के सबसे प्रतिभावान कम उम्र का खिलाड़ी बना हुआ है और उसने कई मैचों में साबित किया है कि वह अपने ढंग का एकमात्र खिलाड़ी है। जैसे सचिन दूसरा नहीं हो,विराट कोहली दूसरा नहीं हो सकता,जैसे रोहित शर्मा दूसरा नहीं हो सकता वैसे ही माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी जैसा दूसरा प्रतिभावान खिलाड़ी तो फिलहाल देश में नहीं है। वैभव को अभी देश के टी-20 की कैप मिली है, उसे अभी वन डे व टेस्ट मैच की कैप नहीं मिली है और उसने अपने एक मैच में कई विश्वरिकार्ड बना कर साबित कर रहा है कि वह हर फारमेट का सबसे अलग खिलाड़ी हैं। वह टी-20 जैसे खेल सकता है, वैसे ही वन डे भी खेल सकता है। हाल में दो मैच में असफल होने के बाद उसकी खूब आलोचना हो रही थी तो उसने तीसरे मैच में हर आलोचना का जवाब अपने बल्ले से देकर अपने सभी आलोचकों को तारीफ करने को मजबूर कर दिया है और सब उसके एक मैच में 52 गेंद में दोहरा शतक लगा देने से हैरत में हैं कि कोई कम उम्र का खिलाड़ी ऐसा कैसे कर सकता है। उसने एक मैच में कई विश्व रिकार्ड बनाकर विश्व के तमान देशों के महान खिलाडिय़ो कहने का मजबूर कर दिया है,यह अद्भुत खिलाड़ी, यह असाधारण खिलाड़ी है। वैभव ने दोहा में खेल गए एशिया कप राइजिंग स्टार के मैच यूएई के खिलाफ 52 गेंद में 204 बनाकर एक ही मैच में कई विश्व रिकार्ड बना डाले। विश्व के दोहरा शतक बनाने वाले जितने भी आज तक के खिलाडी हैं सबने कम से कम दोहरा शतक बनाने के लिए सौ से ज्यादा गेंद खेले हैं और उनके मुकाबले वैभव ने 52 गेंद में दोहरा शतक बना दिया है यानी कि जो काम अब तक महान से महान खिलाड़ी के लिए असंभव माना जाता था वह काम वैभव ने मात्र 15 साल की उम्र में कर दिखाया है। वैभव की असाधारण प्रतिभा का पता इस बात से चलता है कि विश्व के महान से महान खिलाड़ी को भी कम गेंदो में दोहरा शतक बनाने के लिए हर गेंद में दो रन बनाने पड़ते हैं। यानी 100 गेंद खेलकर ही दो सौ रन बना पाए हैं। ऐसे में वैभव ने जो कभी किसी ने किया यानी हर गेंद में चार बनाकर वह कर दिखाया है। वैभव ने सबसे तेज दोहरा शतक तो बनाया ही, उसने सबसे कम गेंदों में यानी 16 गेंद में पचास रन, 28 गेंद में सौ रन, 40 गेंद में एक सौ पचास रन भी बनाए हैं।आंकड़ो को मुताबिक ऐसा तो होता है कि एक खिलाड़ी किसी मैच एक विश्व रिकार्ड बना दे लेकिन ऐसा बहुत कम होता है कि एक खिलाड़ी एक मैच में ही कई विश्व रिकार्ड बना दे। वैभव ने तो आंकड़ों के मुताबिक एक मैच में ही सात विश्व रिकार्ड बना दिए हैं। उसके चार रिकार्ड तो पचास से लेकर दौ सौ रन के ही है। इसके अलावा उसने एक मैच में 28 छक्के लगाए हैं, क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड 26 छक्के था,जिसे वैभव ने यानी एक खिलाड़ी ने 28 छक्के लगाकर तोड़ा है। आजकल सबसे तेज खेलने वाले का स्ट्राइक रेट देखा जाता है,अब तक सबसे तेज स्ट्राइक रेट डिविलियर्स का 338.63 माना जाता था जिसे वैभव ने 384.90 के स्ट्राइक से रन बनाकर तोड़ दिया है।पावर प्ले के 10 ओवर में वैभव में151 बनाए हैं,यह भी विश्व रिकार्ड है।वैभव ने पेशेवर क्रिकेट में अब तक 6 शतक लगाए हैं उनमें से पांच शतक 36 या कम गेंदों पर बनाए गए हैं। इसी तरह यह भी चर्चा का विषय है कि किसी टीम को 250 का टारगेट को चेस करने के लिए कम से कम 25 से 30 ओवर लगते हैं लेकिन वैभव के अद्भुत खेल के कारण यह लक्ष्य 14.2 ओवर में पूरा हो गया। वैभव वर्तमान में ऐसे खिलाड़ी हैं जो हर मैच में कोई न कोई रिकार्ड बनाते रहते हैं।

संविधान दिवस

देश का पथप्रदर्शक हमारा संविधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

26 नवंबर... 1949 में आज ही के दिन संविधान सभा ने हमारे संविधान को अंगीकार किया था। आज हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों का स्मरण करते हैं। उनकी महानता इस बात में थी कि उन्होंने एक आधुनिक संविधान के निर्माण में भारत की समृद्ध परंपराओं और हमारी सभ्यता के अनुभव को भरपूर स्थान दिया। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में, जहां अनेक पंथ हैं, भाषाएं हैं, रीति-रिवाज हैं, विचार परंपराएं हैं, वहां ये बहुत जरूरी है कि संविधान की गूंज संसद और अदालतों की चारदीवारी से कहीं आगे तक पहुंचे। हमारा प्रयास रहा है कि जन-जन की चेतना से, विशेषकर हमारे युवाओं से संविधान का जुड़ाव और गहरा हो। इससे राष्ट्रीय एकता की वो भावना और मजबूत होगी, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ एक दशक पहले हमारी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। हमारा संविधान मेरे साथ करोड़ों भारतीयों की जीवन यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा है। बचपन के वो साधारण हालात, जीवन के वो संघर्ष, जब भी मैं उस दौर को याद करता हूं, संविधान के प्रति मेरा हृदय अपार कृतज्ञता से भर जाता है। एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाला बालक, जिसे विरासत में कोई विशेषाधिकार या सुविधा नहीं मिली, एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा का दायित्व संभाल सकता है, ये हमारे संविधान की असाधारण शक्ति का प्रमाण है। ये हमारे संविधान की ही देन है कि आज किसी व्यक्ति के जन्म की परिस्थितियां उसके भविष्य की सीमाएं तय नहीं करतीं। हमने अपने विनम्र प्रयासों से संविधान को और अधिक सशक्त बनाकर कृतज्ञता के इस ऋण को चुकाने की कोशिश की है। प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को 'first and foremost a social document' बताया था। सामाजिक और आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के इस बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है? विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है।

जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते



हैं। जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है। जब मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि के तहत छोटे उद्यमियों और रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी के ऋण मिलता है, तब आर्थिक न्याय की संवैधानिक भावना जमीन पर उतरती है।

जब डिजिटल टेक्नोलॉजी, रूपे कार्ड और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म तक हर नागरिक की पहुंच होती है, तब समावेशिता का संवैधानिक आदर्श साकार होता है। पहले इसे कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित कर दिया गया था। संविधान की शक्ति से सामान्य मानवी को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। हमारी सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधनों को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। 101वें संविधान संशोधन से जीएसटी जैसे बड़े सुधार का रास्ता खुला, जिसका लंबे समय से इंतजार था। 102वें संविधान संशोधन के माध्यम से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। इससे समाज के वंचित वर्गों का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। हमारी सरकार द्वारा किए गए 103वें संविधान संशोधन को भी लोगों ने सराहा। इसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। इससे लंबे समय तक आरक्षण व्यवस्था के दायरे से बाहर रहने वाले समुदायों को लाभ हुआ। आर्थिक रूप से वंचित परिवारों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था। 1950 के बाद पहली बार आज हमारे संविधान का अपडेटेड वर्जन आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध है। इससे हमारा संविधान जनसामान्य के और करीब आया है। 1950 में संविधान लागू होने के बाद भी हमारे देश में 1860 के दशक में, गुलामी के दौर में बनी दंड संहिता ही लागू रही। भारतीय न्याय संहिता के माध्यम से हमने अपने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में मौलिक बदलाव लाने का प्रयास किया है। गुलामी के दौर की व्यवस्था में दंड पर जोर था। भारतीय न्याय संहिता का जोर नागरिक आधारित व्यवस्था और न्याय पर है। बीते एक दशक में हमने नागरिकों के कर्तव्यों पर विशेष बल दिया है। हमारी सभ्यता में समाज के हर व्यक्ति को उसकी भूमिका से जुड़े कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने की परंपरा रही है। स्वच्छ भारत से लेकर जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण तक, अनेक जन आंदोलनों में हमें कर्तव्य की इसी भावना के दर्शन हुए हैं। यहां मैं एक और सच्चाई देशवासियों के साथ साझा करना चाहता हूं। हमारे इतिहास में ऐसे अवसर भी आए हैं, जब उन्हीं लोगों ने संविधान को कमजोर करने का रास्ता चुना, जिन पर इसकी रक्षा का दायित्व था। विडंबना देखिए कि ये वही लोग हैं, जिन्हें पांच दशकों तक देश की बागडोर संभालने का अवसर मिला।

इस वर्ष, 1951 में हुए पहले संविधान संशोधन के 75 साल पूरे हो चुके हैं। उस समय देश में एक ऐसी सरकार थी, जिसे जनता ने चुनकर नहीं भेजा था। उस सरकार ने अंतरिम संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल करके नागरिकों की मौलिक आजादी छीन ली थी। यह संशोधन देश के पहले आम चुनाव से कुछ ही महीने पहले किया गया था। इससे साफ है कि इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना और लोगों के विरोध की आवाज को दबाना था।

इसी प्रकार आपातकाल के दौरान किए गए 42वें संविधान संशोधन के भी 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस संशोधन ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को सीमित किया और देश की संस्थाओं के बीच शक्तियों के संतुलन को बुनियादी रूप से बदल दिया। मैं युवाओं से यह भी आग्रह करूंगा कि वे 38वें और 39वें संविधान संशोधनों का भी अध्ययन करें। इससे वे समझ सकेंगे कि सत्ता की लालची और संविधान-विरोधी सोच रखने वाली सरकार किस स्तर तक जा सकती है।

चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के लिए बार-बार आर्टिकल 356 का दुरुपयोग भी हमारे इतिहास का एक चिंताजनक अध्याय है। एक राजनीतिक दल के नाम करीब सौ बार आर्टिकल 356 थोपने का रिकॉर्ड दर्ज है। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो इस मामले में अर्धशतक भी लगाया है।

हमारे संविधान निर्माताओं की अपेक्षा थी कि पूरे भारत में संविधान अपने मूल स्वरूप और अपनी मूल भावना के साथ लागू हो। लेकिन 70 साल से भी अधिक समय तक आर्टिकल 370 और 35-ए के कारण जम्मू-कश्मीर में हमारा पूरा संविधान लागू नहीं हो पाया। वहां एससी, एसटी, ओबीसी समाज और महिलाओं के अधिकारों का हनन होता रहा। 2019 में जाकर इस ऐतिहासिक अन्याय का अंत हुआ। दशकों तक देश के अनेक हिस्सों में, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, नक्सलियों ने बंदूक के दम पर सबसे गरीब व्यक्ति को उन अधिकारों से वंचित रखा, जो हमारे संविधान ने उसे दिए हैं। इस वर्ष नक्सलवाद के खात्मे से मुझे विशेष संतोष मिला है। अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी बिना किसी भय के अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है। हथियारी नक्सली समाप्त होने के बाद अब केवल दिमागी नक्सली बचे हैं। वो आज के दौर की वास्तविकताओं से कोसों दूर हैं और देश की विकास यात्रा को पटरी से उतारने की कोशिशों में लगातार जुटे हैं। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। हमारे संविधान निर्माता, विशेषकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे। हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं के स्मरण के बिना भी अधूरी है, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। नारीशक्ति को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को विपक्ष के एक प्रमुख दल ने पारित नहीं होने दिया। एक बार फिर उसने दिखाया है कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उसके मन में कितना कम सम्मान है। मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

हमारे संवैधानिक लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका स्पष्ट रूप से तय है। दुर्भाग्य से विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी आज विरोध पक्ष से ज्यादा अवरोध पक्ष बनती जा रही है। उसे समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालना, अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने का विकल्प कभी नहीं हो सकता।

आज भारत एक बेहद अहम मोड़ पर खड़ा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के हमारे सामूहिक प्रयासों को दो सरल लेकिन शक्तिशाली मंत्र दिशा दे सकते हैं... हमारी सोच में 'राष्ट्र प्रथम' और हमारे हर कार्य में 'कर्तव्य भाव'। इन दो मंत्रों को अपना मार्गदर्शक बनाकर और संविधान से शक्ति लेते हुए हम आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज हर काम सावधानी और एकाग्रता से करें। कारोबार की कोई महत्वपूर्ण डील अटकने से चिंता हो सकती है। धैर्य रखकर समाधान तलाशें। परिवार की निजी बातें बाहरी लोगों से साझा न करें। बुजुर्गों के साथ समय बिताने से रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। संतान की किसी जिद या आदत पर ध्यान देने की जरूरत होगी।

वृषभ राशिः आज आपकी समझदारी और निर्णय क्षमता से उलझे मामले सुलझ सकते हैं। बिना मांगे किसी को सलाह देने से बचें और खरीदारी में बजट का ध्यान रखें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी छवि बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन विवेक से स्थिति संभाल लेंगे। माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन राशिः दिन की शुरुआत सकारात्मक रहेगी। यात्रा के दौरान कोई उपयोगी जानकारी मिल सकती है। पुराने अटके कामों में गति आएगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोग मेहनत जारी रखें। जीवनसाथी की उपलब्धि से खुशी मिलेगी। परिवार के महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी न करें और सभी की भावनाओं का ध्यान रखें।

कर्क राशिः जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। कामों को प्राथमिकता के अनुसार पूरा करें। पुरानी गलतियों से सीख मिलेगी। घर में मेहमानों के आने से खुशियों का माहौल रहेगा। आर्थिक संतुलन बनाए रखें। संतान के लिए लैपटॉप या गैजेट खरीदने की योजना बन सकती है। खरीदारी से पहले बजट और जरूरत का आकलन करें।

सिंह राशिः करियर में आगे बढ़ने का अच्छा अवसर मिल सकता है। यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण खबर मिलेगी। पुराने कार्यालय से नौकरी का प्रस्ताव आने की संभावना है। निर्णय लेने से पहले सभी विकल्पों की तुलना करें। वरिष्ठ अधिकारियों का भरोसा बढ़ेगा। अनावश्यक विवादों से दूर रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कन्या राशिः आर्थिक मामलों में नए अवसर मिल सकते हैं। शेयर बाजार में निवेश करने से पहले जोखिम समझें और विशेषज्ञ की सलाह लें। परिवार के किसी सदस्य की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। जीवनसाथी से नाराजगी है तो बातचीत से दूर करें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों से मानसिक शांति मिलेगी।

तुला राशिः सेहत को लेकर सावधानी बरतें और खानपान पर ध्यान दें। विद्यार्थियों को मेहनत और एकाग्रता बनाए रखने की जरूरत है। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित कर सकता है। दूसरों के निजी मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें।

वृश्चिक राशिः सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास से सफलता के नए रास्ते खुलेंगे। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रॉपर्टी से जुड़ी रुकी डील आगे बढ़ने के संकेत हैं। पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है। भाई-बहनों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक और संपत्ति संबंधी फैसलों में सावधानी रखें।

धनु राशिः कामकाज के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। महत्वाकांक्षाएं मेहनत के लिए प्रेरित करेंगी, लेकिन कुछ बाधाएं भी आ सकती हैं। जीवनसाथी से छोटी बात पर तनाव होने की आशंका है। बातचीत में संयम रखें। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

मकर राशिः कारोबार और आर्थिक प्रगति के लिए नए विचार आएंगे। सही निर्णय से लाभ मिल सकता है। विरोधियों की बातों में आकर कोई फैसला न लें। पुराने लेन-देन या सरकारी कामकाज की परेशानी दूर होने के संकेत हैं। विद्यार्थियों को मोबाइल और मनोरंजन से ध्यान हटाकर पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए।

कुंभ राशिः गुस्से और वाणी पर नियंत्रण रखें। परिवार में बातचीत के दौरान शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। शौक और सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है। अनजान लोगों से निजी जानकारी साझा न करें। घर में मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती है। विदेश में पढ़ाई के इच्छुक विद्यार्थियों को अच्छी जानकारी मिल सकती है।

मीन राशिः कामकाज और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखें। संतान की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है। पुराने मित्र से मुलाकात होने पर यादें ताजा होंगी। ईर्ष्या और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। दूसरों से तुलना करने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। सकारात्मक सोच से प्रगति के रास्ते खुलेंगे।

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

घोर लापरवाही से हम सभी अकाल मृत्यु के मुंहाने पर

लेखक - डॉ. प्रीतम भी. गेडाम

पर्यावरण ही एकमेव जीवसृष्टि का आधार है, जबकि हर भारतीय दूषित हवा में सांस ले रहा, फिर भी हम नहीं सुधरते, पर्यावरण को सहेजना प्रत्येक की



जिम्मेदारी हैं। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सकारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता के बारे में वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए, हर साल 26 नवंबर को "विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस" मनाया जाता हैं। वाहनों से होने वाला उत्सर्जन और भीड़-भाड़, औद्योगिक गतिविधियां और थर्मल पावर, घरों में ठोस ईंधन जैसे लकड़ी, कोयला जलाना, निर्माण कार्य और सड़कों की धूल, बायोमास और खुले में कचरा जलाना, खेतों में पराली जलाना, पटाखे जलाना, मौसम संबंधी कारणों से प्रदूषकों का जमा होना, बिना प्रक्रिया किया गया नगरपालिका का सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक वस्त्रोद्योग, अक्सर बिना उपचार किए भारी धातुओं और जहरीले कचरे को पास के जल स्रोतों में बहा देना, घातक रसायनों का प्रयोग होनेवाली खेती से बहकर आने वाला प्रदूषित पानी, ठोस और ई-अपशिष्ट का कुप्रबंधन, रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग, खनन और औद्योगिक कचरे को कहीं भी फेंक देना, अनियंत्रित निर्माण कार्य और व्यावसायिक गतिविधियां। ऐसे अनेक कारण प्रदूषण स्तर को अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर ले गये हैं।

पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2026 अनुसार, 177 देशों की सूची में भारत को 22.46 के स्कोर के साथ 176वां स्थान मिला है, इस स्थान से हम गंभीर वास्तविकता का अंदाजा लगा सकते है, भारत देश 2016 में 141वें स्थान पर था। 2022 से भारत सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले पांच देशों में शामिल रहा है। हमारा स्कोर भूटान 82वें, श्रीलंका 118वें, नेपाल 134वें, पाकिस्तान 148वें और बांग्लादेश 161वें जैसे पड़ोसी देशों की तुलना में पिछड़ा हुआ हैं। लगातार बढ़ रहे शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण वायु गुणवत्ता, जैव विविधता और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर लगातार दबाव बना हैं। हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता के बुनियादी सुविधा ने सकारात्मक सहयोग दिया हैं। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर हैं। 2026 के वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 122 देशों में से भारत 100वें स्थान पर है। इसका स्कोर 24.1 है, जो इसे 'गंभीर भुखमरी' की श्रेणी में रखता हैं। वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक अनुसार, भारत देश दुनिया का दूसरा सबसे अधिक प्रदूषित देश है। भारत देश की लगभग 140 करोड़ जनता ऐसे वातावरण में रहती है, जहां की वायु विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दर्शाये पीएम2.5 से भी अधिक हैं। कुछ हिस्से में तो यह भारत के अपने राष्ट्रीय मानक से भी कहीं ज्यादा ऊपर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बताये गए दिशानिर्देशों अनुसार, सूक्ष्म कण एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा को लगभग 3.5 साल कम कर देते है, जबकि दिल्ली-एनसीआर जैसे स्थल के निवासियों की जीवन प्रत्याशा में 8.2 साल तक की कमी आ सकती हैं।

स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 की रिपोर्ट बताती है कि, 2023 में भारत में 20 लाख से अधिक मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, जो 2000 के मुकाबले 43 फीसदी ज्यादा है और द लैंसेट काउंटडाउन 2025 के मुताबिक, 2022 में 17.2 लाख मौतें केवल इंसानों द्वारा निर्मित सूक्ष्म कणों की वजह से हुईं, इस नुकसान की कीमत 339.4 अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है, जो भारत की जीडीपी का 9.5 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से ही आकलन लगा सकते हैं कि, देश में प्रकृति के प्रति घोर लापरवाही और पर्यावरणीय ह्रास की कितनी बड़ी कीमत आम इंसान को चुकानी पड़ रही हैं। प्रदूषण के कारण जानलेवा बीमारियां जैसे हृदय संबंधी बीमारियां, स्ट्रोक, फेफड़ों को लगातार नुकसान पहुंचना और सांस लेने में गंभीर संकट, निमोनिया और श्वसन संबंधी संक्रमण, कैंसर पैदा करने वाले प्रदूषकों और औद्योगिक उत्सर्जन के लंबे समय तक सांस के जरिए शरीर में जाने से होने वाले कैंसर, मेटाबॉलिक, किडनी और पानी से होने वाली बीमारियां, टाइप 2 डायबिटीज, दीर्घकालिक वृक्क रोग का खतरा लगातार बढ़ता हैं। यह बीमारियां बेहद खर्चीली एवं मौत के मुंह में धकेलनेवाली हैं। अभी हाल ही में इंडिया टुडे में प्रकाशित एक खबर पढ़ी, जिसमें मशहूर चिकित्सक डॉ. संजीव बागई ने, देश में वायु प्रदूषण से हर साल होनेवाली मौतों की तुलना हिरोशिमा, नागासाकी और कोविड-19 से होने वाली मौतों से की। प्रदूषण मनुष्य के प्रत्येक अंग को नुकसान पहुंचा रहा है, यहा तक की गर्भवती महिला के पेट में पल रहे बच्चे को भी बीमार कर रहा हैं। हर चीज प्रकृति की देन है, हर व्यवसाय या उद्योग के लिए आवश्यक कच्चा माल भी पर्यावरण से ही मिलता हैं। पिछले कुछ दशकों में मानव ने विकास के नाम पर खूब यांत्रिकी संसाधनों की खोज की और मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जमकर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया हैं। बहुत-सी प्राकृतिक चीजे तो आनेवाली पीढ़ियों को दिखेगी भी नहीं, अर्थात उनके हिस्से की भी चीजे आज मानव उपभोग चूका हैं। अक्सर कोयला और खनिजों के खनन के लिए या औद्योगिक आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए जंगल काटते है, राजमार्ग, रेलवे लाइन, बांध बनाने या शहरीकरण के लिए जमीन साफ करते हैं। फर्नीचर, कागज, निर्माण कार्य के लिए लकड़ी और ईंधन के लिए भी लगातार पेड़ कटते हैं। लेकिन जंगलों को खत्म करने से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट होते हैं। उपजाऊ मिट्टी का क्षरण होता है, मिट्टी का कटाव होता है, जिसके कारण बाढ़ या सूखे की स्थिति उत्पन्न होती है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, शुद्ध प्राणवायु कम होती हैं। प्रदूषण बढ़ता है, प्राकृतिक आपदायें लगातार बढ़ती हैं। इसका सीधा असर जीवसृष्टि के प्रत्येक जीव, पर्यावरण के हर घटक, ऋतुचक्र और जलवायु पर पड़ता हैं। हमारी रोग प्रतिकारक क्षमता कमजोर होती है, बीमारियां बढ़ती है, अकाल मृत्यु में भयावह वृद्धि होती हैं।

पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण के कारण एवं उसके रोकथाम के उपाय सबको पता है, अर्थात सरकार से लेकर एक सामान्य नागरिक तक इस बारे में जानते है। शुद्ध जल, स्वच्छ ऑक्सीजन और पर्याप्त पोषक आहार हर मनुष्य का अधिकार और जरुरत हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति सबकी जवाबदेही है, प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है, कि वो पर्यावरण बचायें। पर्यावरण के बारे में लोग गंभीरता से नहीं सोचते और सरकारी नियमों एवं कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाते है, जो कि अब हम सबके जान पर बन आयी हैं। पर्यावरण की रक्षा और प्रदूषण कम करने के लिए अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित, नेता-जनता, अधिकारी, उद्योगपति सभी ने सरकारी निति-नियमों का कड़ाई से पालन एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता रखनी होगी, भ्रष्टाचार का कोई नामोनिशान नहीं होना चाहिए। मनुष्य से ज्यादा जीवजंतु, पशु-पक्षी, प्राणी इस पर्यावरण की रक्षा करते हैं। क्या मनुष्य अपने स्वार्थ में इतना अँधा हो गया है कि, जानवरों को पर्यावरण के रक्षा की समझ है, लेकिन मनुष्य को नहीं, क्या मनुष्य जानवरों से भी निचे के स्तर पर गिर चूका हैं।

बेटा खोया, वादा टूटा, न्याय अधूरा, 16 माह से भटक रही एक माँ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली, 26 नवंबर। एक माँ 16 महीने से अपने बेटे की मौत का हिसाब मांग रही है। बेटा अब इस दुनिया में नहीं है, वादा करने वाले अधिकारी अब मुंह फेर चुके हैं, और फाइलें अब तक धूल खा रही हैं। यही कहानी है बचेली वार्ड क्र. 03 की गंगा ठाकुर की।



मंगलवार को गंगा ठाकुर अपने दो मासूम बच्चियों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं। साथ थे छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जे) के जिलाध्यक्ष रेमोन मड़कामी और परिजन। हाथ में ज्ञापन था, आंखों में आंसू और दिल में एक ही सवाल – मेरे बेटे की मौत का जिम्मेदार कौन?

28 जुलाई 2025 – वो काला दिन ग्राम हाऊरनार में एनएमडीसी व एल.एंड.टी. कंपनी स्लरी पाइप लाइन बिछा रही थी। काम के लिए जगह-जगह गड्ढे खोदे गए थे। आरोप है कि गड्ढों के चारों ओर न बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न कोई सुरक्षा कर्मी।इसी खुले गड्ढे में गिरकर गंगा ठाकुर के एकलौते पुत्र की पानी में डूबकर मौत हो गई। एक माँ ने अपना सहारा खो दिया, दो छोटे बच्चियों ने अपना भाई खो दिया। एफआईआर में वादा, हकीकत में धोखापरिजनों का आरोप है कि घटना के बाद एनएमडीसी के अधिकारी अनिमेष झा ने एफआईआर के दौरान कहा था – ÷घबराइए मत, परियोजना में लेबर सप्लाई में नौकरी देंगे, उचित मुआवजा देंगे लेकिन 16 माह बीत गए। न नौकरी मिली, न मुआवजा। गंगा ठाकुर ने ज्ञापन में लिखा मेरी दो छोटी बच्चियों के भरण-पोषण का कोई सहारा नहीं है। मेरा परिवार बेसहारा हो गया है। पति से भी तलाक हो चुका है

गंगा ठाकुर की 3 मांगें — अब और इंतजार नहीं

1. वादे के अनुसार तत्काल नौकरी दी जाए। 2. न्यायपूर्ण मुआवजा एकमुश्त दिया जाए। 3. दोनों बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण की सरकारी व्यवस्था की जाए। ज्ञापन में जिला कलेक्टर से निवेदन किया गया है 7 दिन के अंदर लिखित कार्यवाही की जाए नहीं हुई तो परिवार सड़क पर उतरने को मजबूर होगा।

जिलाध्यक्ष रेमोन मड़कामी ने कहा — यह सिर्फ एक माँ की लड़ाई नहीं, पूरे बस्तर की लड़ाई है। एनएमडीसी यहाँ से करोड़ों का लोहा ले जाती है, लेकिन एक माँ को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

7 दिन में कार्यवाही नहीं हुई तो जनता कांग्रेस (जे) सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।उन्होंने मांग की कि दोषी ठेकेदार कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई हो।

सवाल प्रशासन से — क्या एक बेसहारा माँ को उसका हक मिलेगा? या यह फाइल भी उन फाइलों में दब जाएगी, बस्तर देख रहा है प्रशासन क्या करता है?

छुट्टी लेकर घर वापिस आने की बात कहकर आरक्षक गुम हो गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 26 नवंबर। ग्राम बाबूसाल्हेटोला निवासी प्रार्थीया प्रेमबत्ती शोरी ने पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा को ज्ञापन सौपकर कहा कि मेरे पति मेहतरराम शोरी सशस्त्र बल बी कंपनी 6 वी वाहिनी रायगढ़ मे आरक्षक पद पर कार्यरत है व पद स्थापना वंजलवाही सुरक्षा कैंप सुकमा में है! जो कि मेहत्तर राम शोरी ने 03-10-2025 को अपनी पत्नी को कॉल कर बताया कि मै छुट्टी लेकर घर आ रहा हु परंतु देर रात तक पत्नी अपने पति का इंतजार करती रही पर पति घर नहीं पहुंचा! तभी पत्नी प्रेमबती शोरी ने अपने पति मेहतर राम शोरी को मोबाइल पर कॉल किया पर मोबाइल नंबर बंद आ रहा था! तो पत्नी ने सोचा कि छुट्टी रद्द हो गया होगा या फिर ड्यूटी पर होंगे करके सोच बना लिया! तत्पश्चात ड्यूटी पर वापस नहीं आने हेतु कार्यवाही के लिए नोटिस घर ग्राम बाबूसाल्हेटोला पंहुचा! तब पत्नी प्रेमबत्ती को पता चला कि मेरे पति महेत्तर राम शोरी 04-10-2025 को ही छुट्टी लेकर घर के लिए निकल गए थे लेकिन वह घर नहीं पंहुचा! इसके बाद पत्नी वंजलवाही कैंप सुकमा जाकर जानकारी ली पर कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुआ तो थाना गोलापल्ली सुकमा पर गुमशुदगी का रिपोर्ट दर्ज करवाई लेकिन अब तक पति का पता नहीं चला है! जिसे देखते हुए पत्नी प्रेमबत्ती व परिजन ने पुलिस अधीक्षक कांकेर को ज्ञापन सौपकर अपनी गुहार लगाई है!

एक नजर

शादी का झांसा देकर युवती के शारीरिक शोषण मामले में आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव, 26 नवंबर। शादी का प्रलोभन देकर एक युवती से लगातार शारीरिक शोषण करने और बाद में शादी से इनकार करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में थाना अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अजाक), कोण्डागांव पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। थाना अजाक, जिला कोण्डागांव में एक अनुसूचित जाति वर्ग की 25 वर्षीय युवती द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी द्वारा 21.11.2023 से सितंबर 2026 तक शादी करने का प्रलोभन देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए गए। जब पीड़िता ने शादी करने की बात कही, तो आरोपी ने विवाह करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत और प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध घटित होना पाए जाने पर थाना अजाक में अपराध क्रमांक 04/2026 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 69 भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं धारा 3(2)(1) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

दीपावली मिलन पर ब्राह्मण समाज ने संस्कृति संस्कारों को सहेजने का लिया संकल्प

कोंडागांव, 26 नवंबर। जिले में ब्राह्मण समाज कोंडागांव की ओर से सामाजिक भवन में बुधवार को दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे से मुलाकात कर दीपावली की बधाइयां दीं और पर्व की खुशियां साझा कीं। समाज के वरिष्ठजनों ने अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और संस्कारों से जोड़ना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।समारोह का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी मेल-मिलाप और भाईचारे की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम के दौरान समाजजनों ने एक-दूसरे का हालचाल जाना और संगठन को अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने को लेकर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि दीपावली सिर्फ रोशनी और खुशियों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला पर्व भी है। भी ने समाजहित में मिलकर काम करने और सामाजिक एकता की परंपरा को आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक होती हैं, जब उन्हें अपनों के साथ साझा करते हुए समाज में प्रेम, सहयोग और भाईचारे को बढ़ावा दिया जाए। किसी भी समाज की मजबूती उसकी एकजुटता, आपसी सहयोग और संगठनात्मक भावना से तय होती है।

सांसद भोजराज नाग की नाली तक व्यापार की पैरवी से व्यापारियों को मिली राहत

कांकेर, 26 नवंबर। जिले के भानुप्रतापपुर में दुकानों के सामने अतिक्रमण हटाने की कवायद के बीच व्यापारियों और प्रशासन के बीच जारी गतिरोध को लेकर एक बार फिर अहम बैठक हुई। स्थानीय रेस्ट हाउस में व्यापारी संघ, नगर पंचायत अध्यक्ष, सीएमओ और एसडीएम की संयुक्त बैठक की गई, जिसमें कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग भी शामिल हुए। बैठक में व्यापारी संघ ने नाली के अंदर दो फीट जगह खाली कराने के प्रस्ताव पर अपनी असहमति जताते हुए व्यापारियों की समस्याएं रखीं। व्यापारियों का कहना था कि इस निर्णय से उनके कारोबार और रोजी-रोटी पर असर पड़ सकता है।व्यापारियों की बात सुनने के बाद सांसद भोजराज नाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम को निर्देशित किया कि व्यापारियों को उनकी पुरानी निर्धारित सीमा यानी नाली तक व्यापार करने दिया जाए। वहीं शहर में यातायात की समस्या के स्थायी समाधान के लिए पार्किंग व्यवस्था विकसित करने पर भी चर्चा हुई।हालांकि, बैठक के बाद व्यापारी संघ की ओर से इसे राहत भरे निर्णय के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इस मामले में प्रशासन का अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है। सांसद के निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों के बीच आपसी चर्चा और आगे की प्रक्रिया के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल नाली तक व्यापार करने की अनुमति को लेकर अंतिम प्रशासनिक आदेश सामने आने का इंतजार है। इधर व्यापारी संघ ने सभी व्यापारियों से नाली के बाहर किए गए निर्माण, दुकान के बोर्ड और बाहर रखे सामान को हटाने की अपील की है। संघ ने स्पष्ट किया है कि ऐसा नहीं करने पर किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई के लिए संबंधित व्यापारी स्वयं जिम्मेदार होंगे और संघ की ओर से सहयोग नहीं किया जाएगा। अब देखना होगा कि सांसद के निर्देशों और व्यापारियों की मांग पर प्रशासन क्या अंतिम निर्णय लेता है। शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार और व्यापारियों की आजीविका के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रशासन का अगला कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पांच हजार शिक्षक पदों में से पहले चरण में 854 व्याख्याता पदों पर भर्ती परीक्षा 29 नवंबर को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 26 नवंबर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के अंतर्गत व्याख्याता के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आगामी रविवार 29 नवंबर को लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश में स्कूलों में शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए चालू शिक्षा सत्र में सहायक शिक्षक, व्याख्याता और शिक्षक के पांच हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए वर्गवार भर्ती परीक्षा 29 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। शुरुआत 29 नवंबर को 854 पदों के लिए व्याख्याता भर्ती परीक्षा से होने जा रही है। प्रदेश स्तरीय इस परीक्षा के लिए बस्तर जिले में 15 केंद्र बनाए गए हैं, जहां 3,771 अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12ः15 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, भौतिकी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र विषयों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। कलेक्टर आकाश छिकारा के नेतृत्व में बस्तर जिला प्रशासन ने इस परीक्षा के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन के लिए



व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं, जिसके तहत जिले में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

व्याख्याता भर्ती परीक्षा के तहत हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत में 120-120 पद हैं, जबकि राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र में 100-100 पद हैं। भौतिकी के लिए 94 पद निर्धारित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि शिक्षक संवर्ग में हो रही भर्ती प्रक्रिया पूरी होने पर बस्तर संभाग को लगभग डेढ़ हजार शिक्षक मिलने की उम्मीद है। इससे अगले साल नए शिक्षा सत्र में शिक्षकों की कमी कुछ हद तक दूर हो जाएगी। व्याख्याता भर्ती परीक्षा के बाद अगले माह दिसंबर में सहायक शिक्षक के 2292 और शिक्षक के 1654 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। शिक्षक के रिक्त पद अंग्रेजी, संस्कृत, हिंदी, गणित, सामाजिक विज्ञान और कृषि विषय के हैं। इसी तरह सहायक शिक्षक के लिए 2292 पदों में विज्ञान विषय के 200 पद शामिल हैं।

व्याख्याता भर्ती परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12ः15 बजे तक होगी, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, भौतिकी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र विषयों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने परीक्षा के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में काकतीय पीजी कॉलेज, इंजीनियरिंग महाविद्यालय, दंतेश्वरी महिला महाविद्यालय, महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल, बहुउद्देशीय स्कूल, सेजेस कन्या स्कूल-2, स्वामी आत्मानंद स्कूल धरमपुरा व रेलवे कॉलोनी, स्वामी विवेकानंद स्कूल, आड़ावाल, पथरागुड़ा, बाल विहार, निर्मल स्कूल, ढेबरीधूर कॉलेज और आसना स्कूल को मिलाकर 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया है। इसके तहत अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े और चप्पल पहनना अनिवार्य है। परीक्षा केंद्र में गहरे रंग के कपड़े, आभूषण, घड़ी, मोबाइल, बेल्ट, जूता, टोपी, चश्मा और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे।अभ्यर्थियों को दो से ढाई घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। मुख्य द्वार पर मेटल डिटेक्टर से जांच और प्रवेश पत्र व पहचान पत्र का सत्यापन होगा। सुबह 9ः30 बजे गेट बंद हो जाएगा, इसके बाद प्रवेश नहीं मिलेगा।परीक्षा के सफल और व्यवस्थित संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर कृष्ण कुमार जायसवाल (मोबाइल नंबर 78793-50380) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धरमपुरा-2 के प्राचार्य डॉ. अनिल श्रीवास्तव (मोबाइल नंबर 98274-91253) को समन्वयक तथा इसी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. अजय सिंह ठाकुर (मोबाइल नंबर 70009-74126) को सहायक समन्वयक बनाया गया है। किसी भी कठिनाई की स्थिति में अभ्यर्थी कर्मचारी चयन मंडल के हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 या मोबाइल नंबर 8827920164 पर सुबह 10 से शाम 5ः30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

बेसौली छात्रावास की छात्राओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर की नई अधीक्षिका की मांग



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 26 नवंबर। बस्तर जिले के खंड शिक्षा परियोजना भानपुरी के अंतर्गत बेसौली छात्रावास में रहने वाली छात्राएं गणवेश में अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर लिखित आवेदन के माध्यम से छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। भोजन में दी जाने वाली दाल की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है।और आवश्यक सामग्रियों में भी कटौती की जा रही है। इसके अलावा छात्रावास अधीक्षिका सुलोचना दीवान के व्यवहार और उनकी अनुपस्थिति को लेकर भी शिकायत की गई है। छात्राओं ने अधीक्षिका को हटाकर उनके स्थान पर नई अधीक्षिका नियुक्त करने की मांग की है।छात्राओं ने प्रशासन से लिखित आवेदन में छात्रावास में मिलने वाले भोजन, आवश्यक सुविधाओं, स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं और अधीक्षिका की कार्यप्रणाली का उल्लेख किया गया है। छात्राओं का कहना है कि छात्रावास में व्याप्त समस्याओं के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्राओं ने अपने शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि सितंबर 2026 में अधीक्षिका सुलोचना दीवान की पदस्थापना के बाद से छात्रावास की व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। छात्राओं के अनुसार उन्हें पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। भोजन में दी जाने वाली दाल की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। इसके साथ ही दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्रियों में कटौती किए जाने का आरोप लगाया गया है।

छात्राओं ने अधीक्षिका की नियमित उपस्थिति को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अधीक्षिका भानपुरी से आना-जाना करती हैं और छात्रावास में नहीं रुकती हैं। वह प्रतिदिन केवल एक से डेढ़ घंटे के लिए छात्रावास आती हैं। इस वजह से छात्राओं को अपनी समस्याओं के निराकरण में परेशानी होती है। शिकायत में छात्राओं ने अधीक्षिका के व्यवहार को लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि किसी समस्या की जानकारी देने अथवा सुविधाओं को लेकर शिकायत करने पर अधीक्षिका चिड़चिड़ा व्यवहार करती हैं। छात्राओं ने स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि किसी बच्ची के बीमार होने पर समुचित व्यवस्था करने के बजाय उसके पालकों को बुलाने की बात कही जाती है।छात्राओं ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि दीपावली की छुट्टियों के बाद से अधीक्षिका अब तक छात्रावास वापस नहीं लौटी हैं। उनकी अनुपस्थिति को लेकर छात्राओं ने प्रशासन से शिकायत की है।

छत्तीसगढ़ की 30 सदस्यीय टीम प्राकृतिक,ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण करने नेपाल गई



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 26 नवंबर। शिक्षा को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़ाकर प्रकृति, विज्ञान और वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा छत्तीसगढ़ द्वारा अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ की 30 सदस्यीय टीम बुधवार को नेपाल के प्रमुख पर्यटन, प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षिक भ्रमण कर रही है। एक अंतरराष्ट्रीय महाअभियान की अवधारणा पर आधारित इस यात्रा का उद्देश्य हिमालयी भौगोलिक संरचना, जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत का प्रत्यक्ष अध्ययन करना है।

यात्रा के दौरान टीम ने पोखरा की प्रसिद्ध फेवा झील, ताल बाराही मंदिर, गुप्तेश्वर महादेव गुफा, देवीस फॉल्स और सरांगकोट सहित विभिन्न प्राकृतिक स्थलों का अवलोकन किया। यहां पर्वतीय भू-आकृति, जल संसाधन, प्राकृतिक जल निकासी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े पहलुओं को समझा जा रहा है। इसके साथ ही काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर, स्वयंभूनाथ स्तूप, बौद्धनाथ स्तूप तथा भक्तपुर और पाटन की ऐतिहासिक धरोहरों का अध्ययन भी यात्रा का हिस्सा है। चितवन क्षेत्र की जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण और तराई के पारिस्थितिक तंत्र को समझने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।दल में शामिल शिक्षक, विज्ञान संचारक और प्रकृति प्रेमी विभिन्न स्थलों की जलवायु, मिट्टी, वनस्पति, जल स्रोतों और भौगोलिक परिस्थितियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन कर रहे हैं। यात्रा के दौरान अर्जित अनुभवों और जानकारियों को विद्यालयों, विद्यार्थियों तथा समाज तक पहुंचाने की योजना है, ताकि नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच विकसित हो सके।

संस्था के सचिव भुनेश्वर मरकाम ने बताया कि यात्रा से प्राप्त जानकारियों, चित्रों और अनुभवों को शैक्षिक गतिविधियों, समाचार लेखों, व्याख्यानों और जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से साझा किया जाएगा।

ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए 15 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर, 26 नवंबर । जिले के विकासखंड जगदलपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बाघागुड़ा, भाटीगुड़ा, चितापदर, छेपड़ागुड़ा, नवागुड़ा, ओरना कैम्प, हजारीगुड़ा, शिवनागुड़ा एवं बम्हनी के शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु नवीन आबंटन किया जाना है। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के तहत उक्त उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु ईच्छुक पंजीकृत सहकारी समिति, ग्राम पंचायत, वन सुरक्षा समिति, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, महिला स्व सहायता समूह अथवा राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य उपक्रमों से आगामी 15 दिसम्बर 2026 तक कार्यालयीन समयावधि में आवश्यक समस्त दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जगदलपुर में आमंत्रित किया गया है।

धान खरीदी में किसानों की सहूलियत का विशेष ध्यान रखें: अमित कटारिया

जगदलपुर, 26 नवंबर । जिले में चल रही धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने, किसानों को हरसंभव सुविधा देने और अवैध धान की आवक पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से बुधवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा कक्ष में आयोजित इस बैठक में जिले के प्रभारी सचिव श्री अमित कटारिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धान खरीदी समेत विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप खरीदी केंद्रों पर किसानों की सहूलियत का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि किसान सुगमता के साथ अपनी उपज विक्रय कर सकें। उन्होंने शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के माध्यम से धान की फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए की आदान सहायता का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए और कहा कि यह योजना किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। अब किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने की बाध्यता खत्म हो गई है। बैठक के दौरान प्रभारी सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा पारस पोर्टल की समीक्षा के दौरान बस्तर जिले में विकास कार्यों की गति की प्रशंसा की गई है। उन्होंने इस गति को निरंतर बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही नियद नेल्लानार योजना एवं बस्तर मुन्ने के क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा की और बेहतर कार्यान्वयन के लिए सराहना की। प्रभारी सचिव श्री अमित कटारिया ने किसानों की सहूलियत के साथ-साथ व्यवस्था की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अवैध रूप से धान जमा करने, रीसाइक्लिंग करने तथा पड़ोसी राज्य ओडिशा सहित बाहर से अवैध धान आवक की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बस्तर के क्रिएटर्स को मिला मंच, कैंसर जागरूकता पर हुई विशेष चर्चा

जगदलपुर, 26 नवंबर। कैंसर का नाम सुनते ही आज भी लोगों के मन में डर और कई तरह की भ्रांतियां पैदा हो जाती हैं। जानकारी के अभाव में कई लोग शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, तो कुछ लोग जांच और उपचार को लेकर आशंकित रहते हैं। इसी विषय पर आम लोगों को जागरूक करने और कैंसर से जुड़ी सही जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पॉडकास्ट होस्ट राहुल कुमार पाण्डेय ने वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. भंवर लाल शर्मा से विशेष बातचीत की। बस्तर क्रिएटर हब के स्टूडियो में रिकॉर्ड की गई यह बातचीत जल्द ही डिजिटल माध्यमों पर प्रकाशित की जाएगी। इस संवाद में कैंसर के शुरुआती लक्षण, समय पर जांच का महत्व, महिलाओं में स्तन कैंसर एवं बच्चेदानी के मुंह के कैंसर, मैमोग्राफी, पैप स्मीयर और सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही बायोप्सी कराने से कैंसर फैलने की भ्रांति, कीमोथेरेपी के प्रभाव, आधुनिक उपचार पद्धतियों जैसे इम्यूनोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी और रेडिएशन उपचार के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी ली गई। बातचीत में इस सवाल को भी प्रमुखता से उठाया गया कि क्या कैंसर का मतलब जिंदगी का अंत है और क्या चौथी स्टेज में पहुंचने के बाद भी उपचार की संभावनाएं रहती हैं।

बस्तर के संदर्भ में चर्चा करते हुए जगदलपुर के महारानी अस्पताल स्थित दीर्घायु कैंसर वार्ड, कैंसर ओपीडी, कीमोथेरेपी की सुविधाओं तथा जरूरत पड़ने पर मरीजों को बड़े चिकित्सा केंद्रों में रेफर करने की परिस्थितियों पर भी सवाल किए गए। इसके अलावा गुड़ाखू, खैनी, गुटखा और तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान, कैंसर से बचाव के उपाय, इलाज का आर्थिक बोझ और जरूरतमंद मरीजों के लिए सरकारी सहायता जैसे विषयों को भी शामिल किया गया।

207 सरकारी स्कूलों का निजीकरण तत्काल रोके सरकार: लखमू राम टंडन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 26 नवंबर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के 207 सरकारी स्कूलों को निजी संस्थाओं को सौंपने के निर्णय का राष्ट्रीय जनसभा पार्टी ने कड़ा विरोध किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लखमू राम टंडन ने इस फैसले को शिक्षा के बाजारीकरण की दिशा में उठाया गया कदम बताते हुए सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है।लखमू राम टंडन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि यदि एक स्कूल में औसतन 35 शिक्षकों की आवश्यकता मानें, तो 207 स्कूलों में लगभग 7,245 शिक्षकों की भर्ती की संभावना बनती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन पदों पर भर्ती किस प्रक्रिया और किस आरक्षण व्यवस्था के तहत होगी? निजी संस्थाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण की क्या व्यवस्था होगी? क्या सरकार ने इस महत्वपूर्ण पहलू पर विचार किया है?उन्होंने प्रदेश के आरक्षित विधानसभा क्षेत्रों से निर्वाचित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित



जनजाति के 39 विधायकों से सवाल करते हुए कहा कि आप विधानसभा में केवल विधायक बनने के लिए नहीं, बल्कि अपने समाज, वंचित वर्गों और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा के लिए पहुंचे हैं। आज जब हजारों बेरोजगार युवाओं के भविष्य और आरक्षण के अधिकारों पर सवाल खड़े हो रहे हैं, तब आपकी चुप्पी समझ से परे है।टंडन ने कहा कि यदि इन विधायकों का जमीर जीवित है और वे वास्तव में अपने समाज के हितैषी हैं, तो अभी भी समय है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ एकजुट होकर विधानसभा में आवाज बुलंद करें। जरूरत पड़ने पर सामूहिक इस्तीफे जैसा कड़ा राजनीतिक कदम उठाने का साहस दिखाएं। उन्होंने कहा कि आरक्षित वर्ग के विधायकों की एकजुटता सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों को निजी हाथों में सौंपने का सीधा असर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बेरोजगार युवाओं पर पड़ सकता है। इससे सरकारी व्यवस्था में उपलब्ध रोजगार के अवसर और आरक्षण के माध्यम से मिलने वाले अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। लखमू राम टंडन ने कहा कि जिस समाज और वर्ग के समर्थन से विधायक विधानसभा तक पहुंचे हैं, आज उसी वर्ग के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जिस वृक्ष की डाल पर बैठे हैं, उसी को काटने का काम न करें। आने वाली पीढ़ियां उनके फैसलों और उनकी चुप्पी का हिसाब जरूर मांगेंगी।उन्होंने कहा कि आज का युवा जागरूक है। वह अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर पहले से अधिक सजग है। यदि जनप्रतिनिधि समय रहते जनता के हित में आवाज नहीं उठाते हैं, तो आने वाले समय में उन्हें अपने ही विधानसभा क्षेत्रों में जनता के सवालों का सामना करना पड़ेगा।

राष्ट्रीय जनसभा पार्टी की प्रमुख मांगें

1. छत्तीसगढ़ सरकार 207 सरकारी स्कूलों को निजी संस्थाओं को सौंपने का फैसला तत्काल वापस ले। 2. शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण बंद किया जाए। 3. सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की नियमित भर्ती सरकारी व्यवस्था के तहत की जाए। 4. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक आरक्षण और रोजगार के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। 5. प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधि इस फैसले के खिलाफ अपनी स्पष्ट राय रखें और जनता के हितों की रक्षा करें।अंत में लखमू राम टंडन ने कहा कि शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। सरकारी स्कूलों को निजी संस्थाओं के हवाले करना प्रदेश के गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के बच्चों तथा युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय हो सकता है। भाजपा सरकार इस जनविरोधी निर्णय को तत्काल वापस ले, अन्यथा राष्ट्रीय जनसभा पार्टी प्रदेशभर में निजीकरण के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन खड़ा करेगी।

एक नजर

समर्थन मूल्य पर धान अब तक 330 किसानों ने बेचा 1,867 मीट्रिक टन धान

रायगढ़, 26 नवम्बर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप एवं शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से जारी है। अब तक जिले में 330 किसानों से कुल 1,867.48 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इस वर्ष जिले में धान खरीदी के लिए कुल 112 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

धान खरीदी प्रक्रिया को किसानों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से टोकन प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन और समिति स्तर पर दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। किसानों को टोकन के लिए सहकारी समितियों में बार-बार जाने और लंबी कतारों में लगने से बचाने के लिए 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप की सुविधा दी गई है। इसके माध्यम से किसान अपने मोबाइल फोन से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन लेने में असुविधा होने पर संबंधित सहकारी समिति के माध्यम से भी टोकन प्राप्त किया जा सकता है। इस व्यवस्था से किसानों को अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तिथि निर्धारित करने में सहूलियत मिल रही है। शासन के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा और व्यवस्थित धान खरीदी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए प्रति एकड़ निर्धारित 21 क्विंटल धान की पूरी मात्रा बेचना अनिवार्य नहीं है। निर्धारित मात्रा से कम धान बेचने वाले पात्र किसान भी योजना के प्रावधानों के अनुसार आदान सहायता के पात्र होंगे। इससे किसानों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं को पूरा करने में अतिरिक्त आर्थिक सहयोग मिलेगा।

ननसिया के स्कूल में तंबाकू मुक्त जागरूकता अभियान आयोजित



रायगढ़, 26 नवम्बर। जिले में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त बनाने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर के निर्देशानुसार युवा पीढ़ी 4.0 अभियान के अंतर्गत ग्राम ननसिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर ननसिया एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला ननसिया में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को तंबाकू और नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी दी गई। बच्चों में जागरूकता बढ़ाने और कार्यक्रम को रोचक बनाने के उद्देश्य से तंबाकू एवं नशे के दुष्प्रभावों पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ग्राम पंचायत को तंबाकू एवं नशा मुक्त बनाने में सभी नागरिकों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। जिला नोडल अधिकारी एनसीडी डॉ.जावेद मारीकर ने कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों से तंबाकू मुक्त ग्राम पंचायत बनाने में सहयोग की अपील की। विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। साथ ही लोईंग स्थित नशा मुक्ति केंद्र में उपलब्ध निःशुल्क उपचार एवं परामर्श सुविधाओं की जानकारी दी गई।अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम ननसिया के किराना स्टोर एवं पान ठेलों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री और कोटपा अधिनियम के प्रावधानों के पालन की जांच की। नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई करते हुए एक दुकान पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पारदर्शी व्यवस्था के लिए किसानों ने जताया आभार

महासमुन्द 26 नवंबर । छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पूरे प्रदेश सहित महासमुन्द जिले में सुचारू ढंग से जारी है।

जिले के धान खरीदी केंद्रों में किसान अपना उपज लेकर पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार के टोकन तुंहर हाथ एप ने किसानों की राह और आसान कर दी है, जिससे उन्हें घर बैठे टोकन मिल रहा है और खरीदी केंद्रों में अनावश्यक इंतजार से मुक्ति मिली है।प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी कोसरंगी में अपनी उपज लेकर पहुंचे ग्राम उमरदा के किसान श्री एम. एल. चंद्राकर ने सोसायटी की व्यवस्थाओं से संतोष जताया।

राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न पेट्रोल पंपों की जांच कर

सुविधाओं की कमी पर आगामी आदेश तक 8 पम्पों को किया सील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

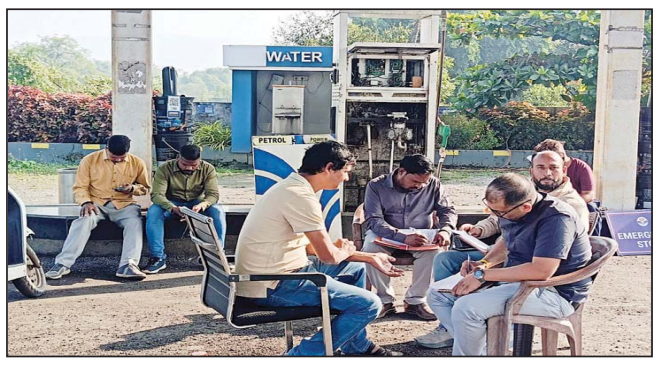

रायगढ़, 26 नवम्बर। जिले में पेट्रोल-डीजल पंपों पर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने तथा निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने पर 8 पेट्रोल पंपों का विक्रय आगामी आदेश तक बंद कर सील करने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के तहत अंगुरी पेट्रोलियम, श्री हरि पेट्रोलियम, श्री बजरंग फ्यूल्स, राधाकिशन फ्यूल्स अंजोरीपाली विकासखंड खरसिया, नरेंद्र केएसके राजपुर, एमएस हेमकुण्ड फ्यूल्स कुरमापाली तहसील रायगढ़, मेसर्स रायगढ़ सिटी फ्यूल्स जूटमिल रायगढ़, बाबा फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप विकासखण्ड धरमजयगढ़ तथा अन्य संबंधित पेट्रोल पंपों में अनियमितताओं के आधार पर विक्रय बंद करने की कार्रवाई की गई है। संबंधित पंपों में मोटर स्पिरिट एवं हाई स्पीड डीजल (प्रदाय तथा वितरण विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश, 2005 तथा एलओआई की कंडिकाओं का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

नागरिक सुविधाओं में कमी पर प्रशासन की कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने जिले के सभी पेट्रोल-डीजल पंपों में नागरिक सुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए थे। प्रत्येक पेट्रोल पंप में महिला एवं पुरुषों के लिए पृथक-पृथक, स्वच्छ और उच्च स्तर के शौचालय व नियमित साफ-सफाई, बेहतर सैनिटेशन एवं हाइजीन व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही एयरपोर्ट स्तर की स्वच्छता और सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया गया था। इसके बावजूद निरीक्षण के दौरान कई पेट्रोल पंपों में आवश्यक सुविधाओं की कमी और निर्धारित मानकों का पालन नहीं किए जाने की स्थिति सामने आई। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा संबंधित पंप संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

सभी पेट्रोल पंपों में सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रशासन ने सभी संबंधित तेल कंपनियों एवं पेट्रोल पंप संचालकों से कहा है कि प्रत्येक पंप में स्वच्छ पेयजल, वाहनों में निःशुल्क हवा भरने की सुविधा, फर्स्ट एड बॉक्स, शिकायत एवं सुझाव बॉक्स तथा फोन और आपातकालीन संपर्क सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही सड़क से लगे पेट्रोल-डीजल पंपों के एप्रोच एरिया में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए है, ताकि वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। ए-साइट पेट्रोल-डीजल पंपों में संबंधित तेल कंपनियों द्वारा तथा बी-साइट पंपों में डीलर एवं संचालक द्वारा शौचालयों के निर्माण और आवश्यक नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में पेट्रोल पंपों की जांच एवं निगरानी जारी रहेगी।

गरियाबंद में प्रशासन की कार्यप्रणाली पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने उठाए सवाल,लंबित आवेदनों पर 7 दिनों में कार्रवाई की मांग



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद/छुरा, 26 नवंबर। जिले में आम जनता की समस्याओं को लेकर विभिन्न विभागों एवं जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए गए आवेदनों पर समय पर सुनवाई और कार्रवाई नहीं होने को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, जिला गरियाबंद ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर की है।

इसी संबंध में पार्टी के जिला अध्यक्ष भोजराज नेताम के नेतृत्व में 23 नवंबर 2026 को जिला कलेक्टर गरियाबंद को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि पार्टी द्वारा पूर्व में जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन एवं अलग-अलग विभागों में कई आवेदन प्रस्तुत किए गए थे। इन आवेदनों की पावती भी प्राप्त है, लेकिन आज तक न तो उन पर हुई कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी दी गई है और न ही आवेदकों को यह बताया गया है कि उनके आवेदन किस स्तर पर लंबित हैं।पार्टी ने सवाल उठाया कि जब आम नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन देते हैं, तो उन्हें महीनों तक कार्यालयों के चक्कर क्यों लगाने पड़ते हैं? आवेदन प्राप्त होने के बाद उसकी स्थिति और कार्रवाई की जानकारी देना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

ज्ञापन के माध्यम से पार्टी ने रखीं तीन प्रमुख मांगें—

1. पूर्व में दिए गए सभी आवेदनों की जांच कर 7 दिनों के भीतर आवेदकों को लिखित जानकारी दी जाए।2. जिला कार्यालय में प्राप्त सभी आवेदनों की लंबित सूची कार्यालय के सूचना पटल पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए।3. भविष्य में प्रत्येक आवेदन की पावती के साथ कार्रवाई की समय-सीमा, संबंधित अधिकारी का नाम एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से दिया जाए।पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की जाती है, तो जनहित में चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं और उनके आवेदनों को कितनी गंभीरता से लेता है ।

बाल विवाह मुक्त रायगढ़ के लिए 27 नवंबर को विशेष ग्राम सभा और जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायगढ़, 26 नवम्बर । बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने और बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 27 नवंबर को जिले में विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन के साथ स्कूलों, कॉलेजों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सघन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने जिले के आमजनों से अपील की है कि 27 नवंबर को आयोजित विशेष ग्राम सभाओं, स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएं।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह केवल कानूनी अपराध ही नहीं, बल्कि सामाजिक अभिशाप भी है। इससे बच्चों का शारीरिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास प्रभावित होता है और उनके अधिकारों का गंभीर हनन होता है। बाल विवाह की रोकथाम के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



छुरा, 26 नवंबर। आईएसबीएम विश्वविद्यालय, नवापारा (कोसमी), छुरा, जिला गरियाबंद (छत्तीसगढ़) में विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह (World Antimicrobial Awareness Week 2026) के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) अर्थात रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा एंटीबायोटिक दवाओं के सुरक्षित, उचित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना था।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के ब्लॉक-II स्थित सेमिनार हॉल में दोपहर 2:15 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।इस अवसर पर डॉ. एन. कुमार स्वामी, डॉ. पी. विश्वनाथन एवं डॉ. ओ. पी. साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की बढ़ती वैश्विक समस्या, एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक उपयोग से उत्पन्न खतरों, संक्रमण की रोकथाम तथा जनस्वास्थ्य संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी वैज्ञानिक जानकारी समाज तक पहुंचाने एवं जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात छात्रा कामिनी साहू द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। वहीं प्रांजल सिन्हा एवं हरिओम वर्मा द्वारा भाषण एवं पावरपॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, संक्रमण नियंत्रण एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, वैज्ञानिक समझ एवं नवाचार क्षमता का प्रदर्शन किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, एंटीबायोटिक दवाओं के उचित उपयोग, संक्रमण की रोकथाम तथा स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित विषयों पर आकर्षक एवं जानकारीपूर्ण पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में **अर्शलान खान ने प्रथम स्थान, हरिओम वर्मा ने द्वितीय स्थान तथा नेहा सिन्हा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों के माध्यम से रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, औषधियों के उचित उपयोग, संक्रमण नियंत्रण एवं स्वास्थ्य विज्ञान से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में स्वाति वर्मा ने प्रथम स्थान, धनमती नेताम ने द्वितीय स्थान तथा नेहा सिंधा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन ललिता साहू एवं हिमांशी साहू द्वारा किया गया। मॉडल प्रदर्शनी के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य विज्ञान, रोगाणुरोधी प्रतिरोध एवं वैज्ञानिक नवाचार से संबंधित विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में निकिता वर्मा, हरिओम वर्मा, स्वाति वर्मा एवं प्रांजल सिन्हा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विशेष पहचान बनाई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों ने वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप में समझाने तथा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पोस्टर प्रतियोगिता एवं मॉडल प्रदर्शनी का मूल्यांकन श्री दिशेन कुमार एवं सुश्री बिस्ता सरकारद्वारा किया गया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक समझ, प्रस्तुतीकरण कौशल एवं नवाचार क्षमता की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों एवं संकाय सदस्यों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

जिला स्तरीय कला उत्सव में बिखरी साहित्यिक, सांस्कृतिक छटा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



छुरा, 26 नवंबर। पारंपरिक लोक कलाओं एवं शास्त्रीय कलाओं की विभिन्न शैलियों पर आधारित जिला स्तरीय कला उत्सव आयोजित की गई। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचान उसे पोषित करने, शिक्षा में कला को बढ़ावा देने एवं भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहजने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष कला उत्सव का आयोजन किया जाता है। प्रतियोगिता में बारह कलाओं को सम्मिलित किया गया था। कार्यक्रम में बच्चों का मार्गदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी राजेश चंद्राकर एवं सहायक जिला परियोजना अधिकारी बुद्धविलास सिंह द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन सह प्रतिवेदन वाचन करते हुए नोडल अधिकारी ज्ञानेंद्र शर्मा के द्वारा कार्यक्रम की विषय वस्तु से अवगत कराया गया। विभिन्न कलाओं के नियम, प्रस्तुतीकरण संबंधी महत्वपूर्ण तथ्यों का विस्तार से जानकारी दिया गया। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागी राज्य में गरियाबंद जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश चंद्राकर ने कहा कि कला उत्सव, बाल प्रतिभाओं के साहित्यिक, सांस्कृतिक हुनर को मंच प्रदान करने का अच्छा प्लेटफार्म है। कला उत्सव, हमारी पारंपरिक धरोहर को सहजने का भी अच्छा माध्यम है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी क्षेत्रीय विलुप्तप्राय कलाओं को राष्ट्रीय पटल पर रेखांकित कर सकते हैं। बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा की जीत हार से बड़ा आपकी प्रतिभा का मंचन है। कला उत्सव, शिक्षा और कला को जोड़कर बच्चों के सृजन शैली को विकसित करने का सरल तरीका है। सही मायनों में कला उत्सव, हमारी संस्कृति और रचनात्मकता की समृद्धि एवं विविधता का प्रतीक है। यह उत्सव आंतरिक विचारों, भावनाओं और विश्वासों को कला कौशल के द्वारा अभिव्यक्त करने का भी माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा द्वारा किया गया।

मतदाता साक्षरता क्लब में जिला स्तरीय निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर मतदान के प्रति जागरूक किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



गरियाबंद, 26 नवंबर। शासकीय वीर सुरेंद्र साय महाविद्यालय गरियाबंद में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के अंतर्गत जिला स्तरीय निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों से चयनित विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता का विषय %मतदान का महत्व एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची की आवश्यकता% रखा गया था। कार्यक्रम में कलेक्टर रणबीर शर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि निबंध लेखन केवल किसी विषय पर अपने विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की सोच, समझ, तार्किक क्षमता और मानसिक योग्यता को परखने का प्रभावी तरीका भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मतदाता साक्षरता क्लब की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ऋषा ठाकुर, एसडीएम सुश्री हितेश्वरी बाघे सहित कॉलेज के प्राचार्य, संबंधित अधिकारीगण एवं प्रतिभागी विद्यार्थी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री शर्मा ने अपने अनुभव साझा करतै कहा धीरे-धीरे यही अभ्यास गंभीर विषयों को समझने और उन पर अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करता है। उन्होंने अपनी यूपीएससी परीक्षा की तैयारी का उदाहरण देते हुए बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं मे निबंध लिखने होते थे। उन्होंने निबंध लेखन में अपने अनुभव विद्यार्थियों को बताया कि नियमित अभ्यास और गुणवत्तापूर्ण लेखन सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निबंध लिखने की सही पद्धति, विषय की समझ विकसित करने, विचारों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने तथा गुणवत्तापूर्ण लेखन के आवश्यक तरीके भी बताए। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और भविष्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी काफी मदद मिलती है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत, निरंतर अभ्यास और सही दिशा में प्रयास करने वाले विद्यार्थी जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से ऐसी शैक्षणिक एवं जागरूकता संबंधी प्रतियोगिताओं में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के विद्यार्थियों को 30 नवंबर तक आवेदन का अवसर

रायगढ़, 26 नवम्बर। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों में परिवर्तन तथा पाठ्यक्रम के वर्ष परिवर्तन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थी विभागीय पोर्टल https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ पर अपने छात्रवृत्ति आईडी से लॉगिन कर ऑनलाइन रिक्वेस्ट भेज सकते हैं। इसके लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है।

समाचार संक्षेप

नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी को लेकर विकासखण्ड स्तरीय मॉक टेस्ट आयोजित



रायगढ़, 26 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परीक्षा के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से बालक शाला पुसौर में विकासखण्ड स्तरीय मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया। इस अभ्यास परीक्षा में विकासखण्ड के विभिन्न विद्यालयों से कुल 401 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मॉक टेस्ट का आयोजन पूरी तरह ऑफलाइन माध्यम से किया गया। विद्यार्थियों को वास्तविक प्रवेश परीक्षा की तर्ज पर प्रश्नपत्र एवं ओएमआर शीट उपलब्ध कराई गई, जिसके माध्यम से उन्होंने निर्धारित समय में प्रश्नों को हल कर उत्तर अंकित किए। प्रश्नपत्र नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। मॉक टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी का आकलन करने और परीक्षा के दौरान संभावित कठिनाइयों को समझने का अवसर मिला।उल्लेखनीय है कि जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली है। परीक्षा से पूर्व आयोजित इस मॉक टेस्ट से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता ने आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को आगामी प्रवेश परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए नियमित अभ्यास, एकाग्रता, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ बिना किसी तनाव के परीक्षा देने का आग्रह किया गया। विकासखण्ड स्तर पर आयोजित यह मॉक टेस्ट ग्रामीण अंचल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने तथा शैक्षणिक तैयारी को मजबूत बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

'तुंहर टोकन' एप से किसानों का घर बैठे कटा टोकन, धान बेचने में हुई सहुलियत



रायगढ़, 26 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप एवं शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से जारी है। धान खरीदी प्रक्रिया को किसानों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से टोकन प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन और समिति स्तर पर दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। इससे किसानों को बड़ी सहुलियत हो रही है। धान खरीदी केंद्र में अपनी उपज बेचने पहुंचे ग्राम कोसमनारा के किसान लक्ष्मण सिदार ने बताया कि उन्होंने 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन काट लिया था। इससे उन्हें टोकन प्राप्त करने के लिए खरीदी केंद्र के चक्कर नहीं लगाने पड़े और समय की भी बचत हुई। वे धनागर धान खरीदी केंद्र में 27 कट्टा धान लेकर पहुंचे थे। धान बेचने तक उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक कांटे से पारदर्शी तौल, पेयजल और छांव जैसी सुविधाओं से संतुष्ट किसान लक्ष्मण सिदार ने कहा कि शासन की किसान हितैषी योजनाओं और बेहतर खरीदी व्यवस्था से किसानों को राहत मिल रही है।

किसान सम्मान निधि और बोनस से मिल रहा आर्थिक संबल-शासन की किसान हितैषी योजनाओं पर खुशी जताते हुए किसान लक्ष्मण सिदार ने कहा कि किसान सम्मान निधि से उन्हें आर्थिक सहायता मिल रही है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और बोनस जैसी सुविधाएं किसानों के लिए लाभकारी हैं।

महिलाओं को अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

रायगढ़, 26 नवम्बर। अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर हमर अस्पताल, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गांधीनगर जुटमिल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



इसमें उपस्थित महिलाओं एवं मितानिनों को घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना तथा शारीरिक एवं मानसिक शोषण जैसे महिला हिंसा के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण, समान अधिकार और सम्मान मिलना आवश्यक है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा हिंसा की स्थिति में उचित सहायता एवं कानूनी संरक्षण प्राप्त करने की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के निर्देशन एवं शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सोनाली मेश्राम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अन्नू पटेल, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रिद्धी अग्रवाल, सखी वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय मितानिन, आम नागरिक एवं अस्पताल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सखी सहेली सवांगा समिति की छत्तीसगढ़िया कला-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सराहनीय पहल

कोसमबुड़ा में राज्यस्तरीय सुवा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

21 नृत्य दलों ने दी आकर्षक प्रस्तुति, गुल्लू (आरंग) का समूह रहा प्रथम, ओडिशा के दल ने भी बिखेरी छटा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 26 नवम्बर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति, भाषा और पारंपरिक सुवा नृत्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम कोसमबुड़ा में राज्यस्तरीय सुवा नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। सखी सहेली सवांगा समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा के कलाकारों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 21 सुवा नृत्य दलों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे कार्तिक महाराज की कथा एवं आंवला पूजा के साथ हुआ। दोपहर में भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। शाम 7 बजे से सुवा नृत्य प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। मुख्य अतिथियों एवं ग्राम प्रमुखों ने छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर तथा राज्यगीत 'अरपा पैरी के धार' का सामूहिक गान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद महाआरती और अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। कलाकारों की पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों की मधुर धुन और मांदर की थाप ने पूरे वातावरण को छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सदस्य छुरा विष्णु नागेश थे, जबकि अध्यक्षता ग्राम पंचायत कोसमबुड़ा की सरपंच किरण भोगेंद्र ठाकुर ने की। विशेष अतिथि के रूप में उमेद सिंह सोरी, भुवन ध्रुव, महिला ध्रुव, अनुषाधा सोरी, शार्धिका ध्रुव, संतोषी धरम ध्रुव, लीला सोरी, तारा बाई सोरी, श्यामवती नेताम, सनमत ध्रुव, पार्वती यादव, द्रोपती यादव, तीज दीवान, सोमती निषाद, विद्या सेन,



कृपा ध्रुव, खुशबूकला निषाद एवं राजिम बाई सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गुल्लू का दल प्रथम, सारागांव द्वितीय

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर निर्णायक मंडल ने विजेताओं की घोषणा की। इसमें सुवा नृत्य समूह गुल्लू (आरंग) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 20 हजार रुपये का नगद पुरस्कार जीता। द्वितीय स्थान पर रहे सुवा नृत्य समूह सारागांव (दुल्ला) को 10 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जय मां शारदा समूह, आमानारा (ओडिशा) को 5 हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना छुरा खंड की ओर से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दलों सहित प्रतियोगिता में शामिल सभी समूहों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में सखी सहेली सवांगा समिति की सभी सदस्यों, ग्रामवासियों, गांव में संचालित 15 महिला स्व-सहायता समूहों की अध्यक्षों, उपसरपंच, पंचगण, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना छुरा खंड के सेनानियों एवं निर्णायक मंडल का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन संतराम कंवर एवं देवांगन सर ने किया।

लोकसंस्कृति के संरक्षण की सराहनीय पहल

आयोजकों ने कहा कि प्रथम वर्ष में ही 21 नृत्य दलों की सहभागिता और ओडिशा के कलाकारों की उपस्थिति आयोजन की सफलता का प्रमाण है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी माटी, भाषा, पारंपरिक वेशभूषा और लोककलाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भविष्य में प्रतियोगिता को और भव्य स्वरूप देने तथा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को व्यापक पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। समापन अवसर पर अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को श्रीफल और प्रतीक चिह्न भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

समाचार संक्षेप

कार्तिक पूर्णिमा पर ग्राम गिधनी में डीजे डांस स्पर्धा का आयोजन

30 टीमों ने लिया हिस्सा, करमा और सुवा नृत्य की मोहक प्रस्तुति



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 26 नवम्बर। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम गिधनी में पांचवें वर्ष रात्रिकालीन डीजे डांस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। प्रतियोगिता में लगभग 30 टीमों एवं प्रतिभागियों ने सामूहिक, एकल और युगल नृत्य वर्गों में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक करमा-सुवा नृत्य और छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता देर रात से सुबह तक चलती रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ संकल्प हॉस्पिटल छुरा के डॉ. हेमचंद्र देवांगन तथा अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज गरियाबंद जिला संरक्षक छत्तरसिंग ठाकुर ने आयोजन की सराहना की। विशिष्ट अतिथि सरपंच डिमेश्वर दीवान, उपसरपंच विशाखा ठाकुर सहित अन्य अतिथियों का युवा समिति ने पीला चावल एवं बैज लगाकर स्वागत किया। डॉ. देवांगन ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ लोककला और संस्कृति से जोड़ते हैं। छत्तरसिंग ठाकुर ने सामाजिक एकता एवं भाईचारे को मजबूत करने में सांस्कृतिक आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

प्रतियोगिता के परिणाम: सामूहिक नृत्य में स्वरांजली डांस ग्रुप रतनपुर प्रथम, सायनिंग डांस ग्रुप चंडी-बागबाहरा द्वितीय और पुष्पांजली डांस ग्रुप आमानारा तृतीय रहा। एकल नृत्य में आकाश ठाकुर प्रथम, अंजली दीवान रामपुर द्वितीय, ब्लाक डायमंड देवभोग तृतीय तथा परी यादव महासमुंद चतुर्थ स्थान पर रहीं। युगल नृत्य में शिव शक्ति बेमेतरा प्रथम, हंसरागनी आरंग द्वितीय, टू स्टार डांस ग्रुप रानीपरतेवा तृतीय तथा झरना-कृतिका की जोड़ी चतुर्थ स्थान पर रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक देवनारायण यदु एवं जागेश्वर ध्रुव ने किया। निर्णायक पुरानिक निषाद, तरुण ठाकुर एवं गंगवंशी सर रहे। आयोजन की सफलता में गैंदलाल ठाकुर, कोमल ठाकुर, घनश्याम ठाकुर, मुकेश सेन, पुनितराम ठाकुर सहित युवा समिति एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।

एक नजर

किसानों को धान खरीदी केंद्रों में मिल रही बेहतर सुविधाएं, खरीफ उपज बेचने पहुंचे किसानों ने जताई खुशी

बलौदाबाजार, 26 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के तहत जिले के धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। किसान भी अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्रों में पहुंच रहे हैं और सुव्यवस्थित व्यवस्था के बीच धान विक्रय कर रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम रवान निवासी किसान सालिक राम वर्मा बुधवार को अपनी पांच एकड़ कृषि भूमि में उत्पादित धान को बेचने के लिए भरसेली धान खरीदी केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि मगरवाय खार में उनकी पांच एकड़ जमीन है, जहां उन्होंने धान की फसल लगाई थी। उन्होंने धान खरीदी केंद्र में किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि सोसायटी में धान बेचने के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था है। श्री वर्मा ने कहा कि सुशासन सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान खरीदी की जा रही है, जिससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत कम उत्पादन के कारण 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले किसानों को भी अंतर की राशि प्रदान करने की घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय ऐसे किसानों के हित में महत्वपूर्ण है, जिनकी फसल का उत्पादन किसी कारणवश निर्धारित सीमा से कम रहता है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा-सेतु से आसान हुई नाम परिवर्तन की प्रक्रिया, लाभार्थी ने जताया शासन के प्रति आभार

बलौदाबाजार, 26 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासन की सेवा-सेतु पहल आम नागरिकों के लिए विभिन्न शासकीय सेवाओं को सरल, सुगम एवं सुलभ बनाने में सहायक साबित हो रही है। इसके माध्यम से नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है और उनके कार्य निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरे हो रहे हैं। इसी कड़ी में लाभार्थी ईश्वर पोरते ने अपने नाम में परिवर्तन कर ईश्वर सिंह किए जाने के लिए तहसील कार्यालय सिमगा में आवेदन प्रस्तुत किया था। सेवा-सेतु के माध्यम से उनके आवेदन पर आवश्यक कार्यवाही की गई। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ राजपत्र में नाम परिवर्तन का प्रकाशन हुआ और उन्हें राजपत्र की प्रति भी प्राप्त हो गई। पोरते ने बताया कि सेवा-सेतु के माध्यम से नाम परिवर्तन की प्रक्रिया सरल एवं सुगम तरीके से पूरी हुई। उन्होंने इस सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ शासन एवं तहसील कार्यालय सिमगा के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा-सेतु के माध्यम से नागरिकों को शासकीय सेवाएं सहजता से उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह पहल डिजिटल माध्यम से शासन की सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने और उनके कार्यों को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पीएम सेजेस डौंडी के विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण में सीखा हुनर

अस्पताल की पैथोलॉजी लैब से लेकर आईटीआई की मशीनों तक पहुंचे विद्यार्थी, व्यावसायिक शिक्षा के साथ मिला व्यावहारिक अनुभव

- किताबों से निकलकर जिंदगी की असली क्लास में पहुंचे बच्चे
- हेल्थ केयर के विद्यार्थियों ने समझी मरीजों की देखभाल और जांच प्रक्रिया
- आईटी-आईटीईएस के विद्यार्थियों ने मशीनों और तकनीकी कार्यों की बारीकियां जानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



डौंडी, 26 नवम्बर। अक्सर बच्चे किताबों में ही पढ़ते हैं कि अस्पताल कैसे चलता है, मशीनें कैसे काम करती हैं। लेकिन पीएम सेजेस डौंडी के बच्चों को इस बार किताबों से बाहर निकालकर सीधे मैदान में उतारा गया। और ये भ्रमण उनके लिए किसी क्लास से कम नहीं था, बल्कि जिंदगी की असली क्लास थी।

प्राचार्य ज्योति मेश्राम के मार्गदर्शन में व्यावसायिक शिक्षा के तहत आईटी-आईटीईएस और हेल्थ केयर ट्रेड के विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण पर ले जाया गया। मकसद एक ही था - बच्चे सिर्फ पढ़ें नहीं, बल्कि करके सीखें, ताकि 12वीं के बाद उन्हें नौकरी या स्वरोजगार के लिए भटकना न पड़े।

आईटी के बच्चों ने देखा मशीनों का कमाल

वहीं दूसरी तरफआईटी-आईटीईएस ट्रेड के विद्यार्थी शिक्षिका डिंपल यादव के नेतृत्व में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डौंडी पहुंचे। वहां बच्चों ने इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डिंग और लेथ मशीन जैसे ट्रेडों में चल रहे प्रायोगिक कार्यों को अपनी आंखों से देखा। प्रशिक्षकों ने बताया कि मशीन कैसे चलती है, वायरिंग कैसे होती है, औजारों का सही इस्तेमाल कैसे किया जाता है। बच्चों ने कंप्यूटर लैब और वर्कशॉप का भी अवलोकन किया। कई बच्चों के लिए ये पहला मौका था जब उन्होंने इतनी बड़ी मशीनों को इतने करीब से देखा था। इस अवसर पर प्राचार्य ज्योति मेश्राम ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा का मतलब सिर्फकिताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि बच्चे को व्यावहारिक रूप से दक्ष बनाना है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य है कि बच्चा 12वीं के बाद रोजगार या स्वरोजगार के लिए पूरी तरह तैयार हो। ऐसे भ्रमण से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने करियर का सही चुनाव करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि पीएम सेजेस डौंडी में समय-समय पर ऐसे भ्रमण, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन कार्यक्रम आगे भी होते रहेंगे।

बच्चों के चेहरे पर थी खुशी

भ्रमण से लौटे बच्चों के चेहरे पर अलग ही खुशी थी। बच्चों ने कहा कि आज उन्होंने जो सीखा, वो किताबों में पढ़कर कभी नहीं सीख पाते। ये भ्रमण उनके लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक रहा। विद्यालय परिवार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डौंडी और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डौंडी के समस्त स्टाफका आभार व्यक्त किया। इस भ्रमण में व्यावसायिक शिक्षिका टोमिन साहू, डिंपल यादव सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पहले अस्पताल पहुंचे हेल्थ केयर के बच्चे

हेल्थ केयर ट्रेड के विद्यार्थी अपनी शिक्षिका टोमिन साहू के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डौंडी पहुंचे। वहां पहुंचते ही बच्चों की उत्सुकता देखने लायक थी। बच्चों ने पैथोलॉजी लैब में जाकर देखा कि खून की जांच कैसे होती है, ब्लड सैंपल कैसे लिया जाता है, रिपोर्ट कैसे तैयार होती है। एम्बुलेंस सेवा को करीब से देखा और समझा कि एक मरीज की जान बचाने में हर एक मिनट कितना कीमती होता है। अस्पताल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बच्चों को बड़े प्यार से समझाया कि मरीज की देखभाल कैसे की जाती है, साफसफाई क्यों जरूरी है, प्राथमिक उपचार क्या होता है। बच्चों ने भी खूब सवाल पूछे और हर जवाब को अपनी डायरी में नोट करते गए।

भाटापारा विस को 47.90 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



- शिवरतन शर्मा के प्रयासों से दो सड़कों के निर्माण को मिली मंजूरी,
- सिद्ध बाबा ओवरब्रिज और सेमरियाघाट पुल का टेंडर भी जारी

भाटापारा, 26 नवम्बर। वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा के अनुशंसा एवं सतत प्रयासों से भाटापारा विधानसभा क्षेत्र को 47 करोड़ 89 लाख 85 हजार रुपये के विकास कार्यों की बड़ी सौगात मिली है। लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा बहुप्रतीक्षित सिद्ध बाबा ओवरब्रिज और सेमरियाघाट पुल निर्माण का टेंडर भी जारी हो चुका है। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय महानदी भवन से 25 नवंबर 2026 को जारी स्वीकृति आदेश के अनुसार करहीबाजार पुलिस चौकी से रामपुर (शिवनाथ नदी पुल तक) 4.50 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 11 करोड़ 50 लाख 3 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस मार्ग से करहीबाजार, रामपुर सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

इसी प्रकार भाटापारा-मोपका-धनेली मार्ग के 19.20 किलोमीटर हिस्से के मजबूतीकरण के लिए 36 करोड़ 39 लाख 82 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस सड़क से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों और व्यापारियों को लाभ मिलेगा। शिवरतन शर्मा ने बताया कि भाटापारा की बहुप्रतीक्षित सिद्ध बाबा ओवरब्रिज और सेमरियाघाट पुल निर्माण का टेंडर भी जारी हो चुका है। ओवरब्रिज बनने से रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी, वहीं सेमरियाघाट पुल बनने से बारिश के दिनों में नदी के कारण बाधित होने वाला आवागमन सुगम होगा।

इन स्वीकृतियों पर शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, लोक निर्माण मंत्री अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि सड़क और पुल निर्माण से व्यापार, कृषि परिवहन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। विकास कार्यों की सौगात मिलने पर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

प्राकृतिक आपदा की स्थिति में एनएमडीसी की सक्रिय पहल व सामुदायिक सहयोग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली, 26 नवम्बर। बैलाडीला पहाड़ियों के पीछे स्थित वन क्षेत्र में 18 नवंबर को एनएमडीसी पट्टे से पश्चिमी घाट की ओर लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर भूगर्भीय परतों के प्राकृतिक रूप से खिसकने की घटना हुई। इसके परिणामस्वरूप वहां निर्माणाधीन ग्रामीण सड़क क्षतिग्रस्त हो गई और एनएमडीसी डिपॉजिट नंबर-14 के पुराने अपशिष्ट डंप का कुछ हिस्सा प्रभावित हुआ।

एनएमडीसी, वन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किए गए प्रारंभिक संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि डंप की तलहटी से अपशिष्ट 200-250 मीटर से अधिक दूरी तक नहीं फैला था। यह अपशिष्ट डंप पिछले दो दशकों से स्थिर था। इसे वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित बनाया गया था। इसमें सीढ़ीदार संरचनाओं का निर्माण, जल निकासी के लिए नालियों की व्यवस्था, डंप के निचले हिस्से में सहारा देने वाली दीवारों का निर्माण तथा एनएमडीसी द्वारा स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण शामिल था। इस प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए एनएमडीसी ने आवश्यक संसाधन जुटाकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत ड्रोन सर्वेक्षण कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की विस्तृत चित्रावली तैयार की जा रही है। इससे भूस्खलन के प्रभाव का आकलन करने में मदद मिलेगी। साथ ही खिसकी हुई मिट्टी की भूगर्भीय जांच भी की जाएगी, ताकि चट्टानी आधार की स्थिति, मिट्टी के तरलीकरण की संभावना और जमीन की कठोरता का पता लगाया जा सके।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे के विशेषज्ञों के सहयोग से वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। प्रारंभिक निरीक्षण और विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रभावित क्षेत्र में आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। भूमि की स्थिति में होने वाले बदलावों की प्रतिदिन निगरानी की जा रही है। जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर ग्रामीणों को वैकल्पिक मार्ग से सुरक्षित आवागमन में सहायता दी जा रही है। मोबाइल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा एनएमडीसी और जिला प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने स्थिति का जायजा लेने तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए समीपवर्ती गांव का दौरा किया है। वैज्ञानिक अध्ययन पूरा होने के बाद विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुरक्षा, आपदा न्यूनीकरण और पुनर्वास संबंधी उपाय तैयार कर लागू किए जाएंगे। एनएमडीसी स्थानीय प्रशासन को हरसंभव सहयोग प्रदान कर रहा है। कंपनी ने जनसुरक्षा, सामुदायिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार परिचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है।

सुबह पांच बजे से उमड़ रही लोगों की भीड़, हरियाली, तालाब और योगाभ्यास के बीच मिल रहा प्रकृति का आनंद

ठंड और कोहरे ने सप्तगिरि पार्क को बनाया मिनी हिल स्टेशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 26 नवम्बर। ठंड बढ़ते ही दल्ली राजहरा का सप्तगिरि पार्क इन दिनों किसी हिल स्टेशन का नजारा पेश कर रहा है। सुबह घना कोहरा, ठंडी हवाएं, चारों ओर फैली हरियाली और तालाब में विचरण करते हंसों के जोड़े यहां आने वालों को कश्मीर और शिमला की वादियों का एहसास करा रहे हैं। खुशनुमा मौसम और प्राकृतिक सौंदर्य के चलते सुबह पांच बजे से ही पार्क में सैर, जॉगिंग और योगाभ्यास करने वालों की भीड़ जुटने लगी है।

संस्कृत में सप्तगिरि का अर्थ सात पहाड़ होता है। सात पहाड़ियों के समूह के बीच स्थित होने के कारण इस उद्यान का नाम सप्तगिरि पार्क रखा गया। इसका निर्माण भिलाई इस्पात संयंत्र (सेल) प्रबंधन ने दल्ली राजहरा माइंस टाउनशिप के विकास के तहत कराया था। खदानों में 1958-59 में उत्पादन शुरू होने के बाद 1960 और 1970 के दशक में कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के मनोरंजन के लिए इसे विकसित किया गया।

25-30 वर्षों से सुबह की सैर कर रही मित्र मंडली

पार्क में नियमित आने वाले किशोर साहू, डॉ. टी.पी. देशमुख और छन्नू सिंह नेताम बताते हैं कि वे पिछले 25-30 वर्षों से यहां सुबह की सैर और योगाभ्यास कर रहे हैं। उनके अनुसार नियमित व्यायाम से शरीर स्वस्थ रहता है और मन प्रसन्न रहता है। यहां योग कर रहे लोगों का कहना है कि बाहर हिल स्टेशन घूमने जाने के बजाय शहर में ही बिना खर्च प्राकृतिक वातावरण और स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

750 मीटर का ट्रैक और आकर्षक मूर्तियां

पार्क में 750 मीटर लंबा सीसी



ट्रैक, बच्चों के लिए झूले, स्लाइड और आकर्षक मूर्तियां हैं। हरियाली के बीच तालाब और सजावटी पौधे इसकी सुंदरता बढ़ाते हैं। कला वाटिका में मां सरस्वती की विशाल प्रतिमा सहित राधा-कृष्ण, शिव परिवार, स्व-निर्माण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र हैं। कलाकार अंकुश देवांगन, योगराज बोरकर, एन. अनसूया और राजेंद्र साहू की बनाई मूर्तियां अपनी कलात्मकता और संदेश के लिए विशेष पहचान रखती हैं।

पार्क के प्रवेश द्वार पर स्थापित स्वामी दयानंद सरस्वती की विशाल प्रतिमा के साथ लिखा संदेश 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' लोगों को प्रेरित करता है।

फरवरी-मार्च में फ्लावर शो की तैयारी

पार्क प्रभारी युवराज साहू ने बताया कि खुशनुमा मौसम के कारण इन दिनों लोगों की संख्या बढ़ी है। फरवरी-मार्च में प्रस्तावित फ्लावर शो की तैयारियां भी अधिकारियों के निर्देशन में चल रही हैं। पार्क सामान्यतः सुबह 5 से 9 बजे और शाम 4 से रात 8 बजे तक खुला रहता है। यहां आने वाले लोगों ने नगरवासियों से सुबह जल्दी उठकर पार्क आने, योग करने और प्रकृति का आनंद लेने की अपील की है।

न्यायालय तहसीलदार, गीदम
जिला- दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202610160100004/अ-21(5)/2026-2027
क्रमांक/1450/रीडर/तह./2026
गीदम, दिनांक 19/11/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है 1. आवेदिका श्रीमती निर्मला पति लल्लन कुमार शर्मा उम्र 48 वर्ष जाति लोहार निवासी ग्राम कारली तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ. ग.) के द्वारा ग्राम कारली प.ह.नं. 09 में स्थित भूमिस्वामी हक के खाते की भूमि खसरा नंबर 3061/1/3, 3061/1/4 रकबा क्रमशः 0.0060 हेक्ट. 0.0060 हेक्ट. कुल खसरा 02 कुल रकबा 0.012 हेक्ट. को क्रेता घरम सिंह नाग पिता जगन्नाथ नाग उम्र 35 वर्ष जाति तेलंगा निवासी ग्राम कारली तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा छ.ग. को भूमि विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्रमय नक्शा, खसरा, बी-1 की प्रति सहित जांच हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गीदम से न्यायालय तहसीलदार गीदम को प्राप्त हुआ है। प्रकरण में सुनवाई हेतु तिथि दिनांक 04/12/2026 नियत है।

एतद् द्वारा आज दिनांक 19/11/2026 को उद्घोषणा प्रकाशित की जाती है, जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु विहित तिथि दिनांक 04/12/2026 तक सक्षम दावा, आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद समाप्त अवधि किसी भी व्यक्ति/संस्था के द्वारा किसी प्रकार का प्रस्तुत दावा आपत्ति ग्राह्य नहीं होगा।

मुहर

तहसीलदार
गीदम

प्रारूप-(तीन)
शपथ पत्र
(नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं मलेश कडती (माता/पिता पालक का नाम) सुपुत्र/पिता चिंगा कडती निवासी ग्राम पोलमपल्ली, एतद द्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूं और निम्नानुसार घोषित करता हूं।

मैं ग्राम पोलमपल्ली, तहसील उसूर, जिला बीजापुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूं।

मैं अपने नाबालिग पुत्र/पुत्री यूसूफ कडती (Yusuf Kadti) से बदलकर करन कडती (Karan Kadti) करवाना चाहता हूं।

मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

मैं अपने पुत्र/पुत्री यूसूफ कडती (Yusuf Kadti) को हमारे/ हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर
मलेश कडती

एक नजर

कर्म, कुंडली, वास्तु और ब्रह्मांड के संगम से जीवन बेहतर बनाने के सूत्र बताए



रायपुर, 26 नवम्बर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं महिला चेंबर की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता के नेतृत्व में 'स्वावलंबन से उदित-उदया (नवचेतना-नव भविष्य)' अभियान के तहत डॉ. आशीष पाटनी का प्रेरक कार्यक्रम 'एक्सप्लोर योर एनर्जी (ईवाईई)' आयोजित किया गया। समता कॉलोनी स्थित जीएसएस गर्ल्स हॉस्टल के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं, उद्यमियों, गृहिणियों और छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा थीं। उन्होंने आत्मजागरूकता, तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच को बेहतर जीवन के लिए आवश्यक बताया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक एवं भविष्य वैदिक कॉलेज के संस्थापक डॉ. पाटनी ने मन की शक्ति, आंतरिक ऊर्जा और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के समन्वय से जीवन को सकारात्मक दिशा देने के सरल उपाय बताए। उन्होंने बिना किसी खर्च और कर्मकांड के तनाव प्रबंधन के तरीके समझाए। कार्यक्रम में घरेलू व्यवसायों की उन्नति के लिए वास्तु सूत्र, विद्यार्थियों की एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने के अभ्यास, परीक्षा के तनाव से मुक्ति तथा मानसिक शांति के उपाय बताए गए। इसके अलावा पंचतत्व, जल तत्व, मुद्रा और बीजाक्षरों के प्रयोग की जानकारी दी गई। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं और युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएंगे : संघ

रायपुर, 26 नवम्बर। रेलवे खान पान सेवा ठेकादारी कर्मचारी कल्याण संघ के द्वारा विगत दिनों संस्था की बैठक में एक संकल्प प्रस्ताव पारित कर यह निर्णय लिया कि रेलवे स्टेशन रायपुर में आम रेल यात्रियों को विक्रय की जाने वाली खाद्य सामग्री गुणवत्ता एवं रेलवे द्वारा प्रमाणित ही उपलब्ध करायेंगे। इसी विषय को लेकर आज रेलवे खान पान सेवा ठेकादारी कर्मचारी कल्याण संघ के द्वारा रेलवे प्रशासन से पत्राचार कर आग्रह किया गया है कि रेलवे स्टेशन रायपुर में समस्त ख़ान पान ठेकेदारों के द्वारा नियमों को ताक पर रखकर अप्रमाणित व अमानक खाद्य सामाग्रियां कार्यरत वेंडरों को विक्रय करने के लिए उपलब्ध करवाई जा रही है। पत्र में रेलवे खान पान सेवा ठेकादारी कर्मचारी कल्याण संघ के द्वारा यह मांग की गई है ख़ान पान ठेकेदारों के द्वारा मनमानी कर अनुबंध में उल्लेखित नियम व शर्तों का उल्लघंन किया जा रहा है जिसकी जांच व कार्यवाही की मांग की गई है।

2 करोड़ के आईफोन चोरी मामले में अंतरराज्यीय कंजर गैंग के 2 सदस्य गिरफ्तार, 132 मोबाइल फोन बरामद

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में करीब 2 करोड़ रुपये के आईफोन चोरी मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। तेलीबांधा स्थित एपल स्टोर से 31 अक्टूबर की रात चोरी हुए 173 आईफोन के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अंतरराज्यीय कंजर गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 132 मोबाइल हैंडसेट बरामद किए हैं। चोरी की इस वारदात में द्वक्कद्धश्ठ्ठद्ग 17 मॉडल की संख्या सबसे ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया।

8 मिनट में 2 करोड़ के मोबाइल लेकर फरार हुए थे आरोपी: पुलिस के मुताबिक, 31 अक्टूबर की आधी रात के बाद आरोपियों ने तेलीबांधा स्थित एपल स्टोर को निशाना बनाया था। शातिर चोर स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर तक अपने साथ ले गए थे। इसके बावजूद पुलिस ने आसपास के दूसरे कैमरों से मिले फुटेज की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का रास्ता खोज निकाला। जांच में सामने आया कि रात 2:37 बजे एक दोपहिया वाहन पर सवार तीन संदिग्ध घटनास्थल के पास दिखाई दिए थे। महज आठ मिनट बाद यानी 2:45 बजे वे वहां से निकल गए। इसी फुटेज को आधार बनाकर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई।

40 सदस्यीय टीम ने महाराष्ट्र से दिल्ली तक चलाया अभियान: मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 40 सदस्यीय विशेष टीम गठित की थी। जांच के दौरान महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली में पुलिस की टीमें भेजी गईं। करीब 250 किलोमीटर के दायरे में एक हजार से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। इसके अलावा 1100 से ज्यादा सेल आईडी टावर और 10 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। लंबी जांच के बाद अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों की पहचान हुई, जिनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी दो आरोपियों की तलाश जारी है।

चोरी की बाइक से खुला कंजर गैंग का राज: पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस की टीम महाराष्ट्र के मौधा तक पहुंची। वहां कोल्हान नदी के किनारे बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल मिली थी। बाइक के इंजन और चेसिस नंबर को मिटाने की कोशिश की गई थी। जांच में पता चला कि यह वही बाइक थी, जिसका इस्तेमाल रायपुर के एपल स्टोर में चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए किया गया था। इस सुराग के बाद पुलिस ने तकनीकी और मैदानी जांच तेज की और आखिरकार कंजर गैंग के सदस्यों तक पहुंच गई।



गैंग के सरगना पर 47 से अधिक मामले दर्ज

पुलिस के अनुसार, इस चोरी के पीछे अंतरराज्यीय कंजर गिरोह का हाथ है। गिरोह का सरगना राजेश कंजर उर्फ झाला बताया जा रहा है, जिसके खिलाफ मध्यप्रदेश और राजस्थान में 47 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोप है कि उसने अपने बेटे और अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। वहीं, सफान खान चोरी किए गए मोबाइल फोन को खपाने का काम कर रहा था। पुलिस ने उसे विदेश भागने से पहले ही पकड़ लिया। मामले में राज झाला और राजेश लोधी, दोनों निवासी देवास (मध्यप्रदेश), की तलाश की जा रही है।

पुलिस की जांच जारी, दो सदस्य अब भी फरार

इस पूरे अभियान की निगरानी एडिशनल सीपी अमित तुकाराम काम्बले, डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला, डीसीपी सेंट्रल तारकेश्वर पटेल, डीसीपी वेस्ट रॉबिन्सन गुरिया और डीएसपी क्राइम संजय सिंह ने की। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश के साथ चोरी के बाकी मोबाइल फोन की बरामदगी में जुटी है। इस मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के नेटवर्क और चोरी के मोबाइल की सप्लाई चेन की भी जांच की जा रही है।

किसान कांग्रेस ने निकाला संविधान रक्षा मार्च



रायपुर, 26 नवम्बर। गांधी मैदान में किसान कांग्रेस ने संविधान रक्षा मार्च एवं सम्मेलन का आयोजन किया। प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा और राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी मनोज नचार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की बहाली और कथित वोट चोरी के खिलाफ जनजागरण का संकल्प लिया गया। कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आम जनता के बीच राजनीतिक दलों को बेनकाब करने की बात कही। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरीशंकर पांडे ने बताया कि रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद और बलौदाबाजार सहित विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने मार्च में भाग लिया।

संविधान बचाओ मार्च



रायपुर, 26 नवम्बर। संविधान दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर में संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के संकल्प के साथ संविधान बचाओ मार्च रैली का आयोजन किया गया।

इलेक्रामा-2027 के लिए रायपुर में आईईईएमए का इंडस्ट्री आउटरीच कार्यक्रम



रायपुर, 25 नवंबर। भारतीय इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) ने रायपुर में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ इलेक्रामा 2027 के तहत विशेष इंडस्ट्री आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें भारतीय इलेक्ट्रिकल उद्योग की बदलती जरूरतों, नई तकनीकों और देश के ऊर्जा तंत्र को मजबूत बनाने में उद्योग की भूमिका पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना और इलेक्रामा के 17वें संस्करण के प्रति जागरूकता एवं उत्साह पैदा करना था। इलेक्रामा 2027 का आयोजन 20 से 24 फरवरी 2027 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में होगा। इसे विश्व की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिकल उद्योग प्रदर्शनी माना जाता है।

'आई की शक्ति का उपयोग' थीम पर आधारित इस आयोजन में 1100 से अधिक प्रदर्शकों और 10 देशों के मंडप शामिल होंगे। इसके अलावा 25 हजार से अधिक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकों के जरिए लगभग 25 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यावसायिक अवसर सृजित होने की उम्मीद है। आयोजन में 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और पांच लाख से ज्यादा आगंतुकों के पहुंचने की संभावना है।

आईईईएमए के प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत में बिजली की बढ़ती मांग, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड और आधुनिक तकनीकों के विस्तार से इलेक्ट्रिकल उद्योग के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इलेक्रामा उद्योग जगत को नवाचार प्रदर्शित करने, व्यावसायिक साझेदारी विकसित करने और वैश्विक बाजार से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

कार्यक्रम में ईसुन-एमआर टैपचेंजर्स के सीईओ आर. प्रकाश, पॉलीकैब इंडिया के सीईओ शशि अमीन, सेम्बियन बालासुब्रमण्यम और श्रीधर गोखले सहित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने विचार रखे। उन्होंने कहा कि रायपुर सहित छत्तीसगढ़ का इलेक्ट्रिकल विनिर्माण क्षेत्र देश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। क्षेत्रीय उद्योगों की सक्रिय भागीदारी से भारतीय इलेक्ट्रिकल उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी।

फसल बीमा के नाम पर किसानों से करोड़ों रुपये की वसूली, मुआवजा देने के समय सरकार व कंपनियां गायब: बंजारे

रायपुर, 26 नवम्बर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष *राजेंद्र पप्पू बंजारे* ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर किसानों के साथ फसल बीमा के नाम पर अन्याय और आर्थिक शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदा और फसल नुकसान से आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है, लेकिन छत्तीसगढ़ में यह योजना किसानों के लिए राहत का माध्यम बनने के बजाय बीमा कंपनियों और सरकार के लिए कमाई का जरिया बनती दिखाई दे रही है। बंजारे ने कहा कि किसानों से बैंक के माध्यम से जबरन फसल बीमा का प्रीमियम काट लिया जाता है। किसान अपनी मेहनत की कमाई से नियमित रूप से बीमा की राशि जमा करता है, लेकिन जब चक्रवात, अतिवृष्टि, प्राकृतिक आपदा या अन्य कारणों से फसल बर्बाद होती है, तब मुआवजा देने के समय न तो बीमा कंपनियां नजर आती हैं और न ही सरकार किसानों की सुध लेती है। आखिर सवाल यह है कि किसानों से करोड़ों रुपये का प्रीमियम वसूलने के बाद फसल बीमा का लाभ किसे मिल रहा है?

राज्य स्तरीय कबड्डी स्पर्धा में शामिल हुईं कल्पना

बेमेतरा, 26 नवम्बर। ग्राम हथमुड़ी में स्वर्गीय बिसेन्द्र वर्मा की स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी शामिल हुईं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना मजबूत होती है। कबड्डी हमारी पारंपरिक खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने खिलाड़ियों को जीत-हार से सीख लेते हुए निरंतर मेहनत और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सरपंच दिनबंधु देवदास, उपसरपंच ओमसिंह वर्मा, जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।




॥ ॐ तत् सत् ॥
आमंत्रण
शिवधाम
(अघोरेश्वर महादेव मंदिर)
ग्राम-तुलसी (पाटन), छत्तीसगढ़
महानिर्वाण दिवस
दिनांक : 29.11.2026, रविवार
कार्यक्रम
पूज्य अघोरेश्वर जी का पूजन-हवन
सुबह : 11:30 बजे
प्रसाद वितरण
दोपहर : 01:00 बजे
वृद्ध जनों के लिए
सम्मान भोज एवं कंबल वितरण
निवेदक
अघोरेश्वर महादेव मंदिर, शिवधाम
ग्राम तुलसी-पाटन (दुर्ग)
संपर्क : 9826174789, 8889334400

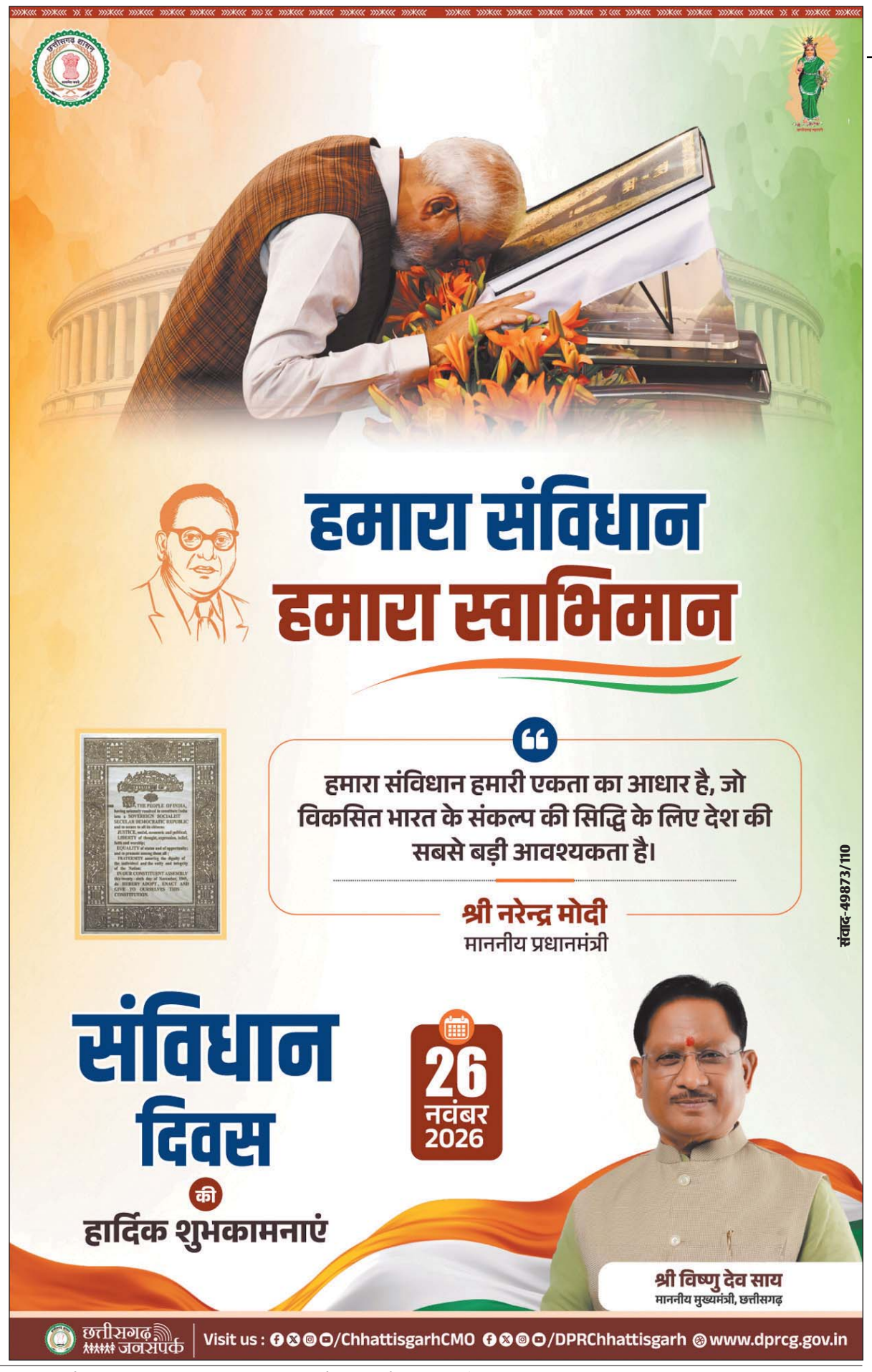
हमारा संविधान
हमारा स्वाभिमान
हमारा संविधान हमारी एकता का आधार है, जो विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए देश की सबसे बड़ी आवश्यकता है।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
संविधान दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
26 नवंबर 2026
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
संवाद-49873/110
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26